सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 164 | जौनपुर, शनिवार, 01 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका में जनसभा को संबोधित किया

नई दिल्ली , (एजेंसी)। 5 फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सभी पार्टियों ने प्रचार में अपना पूरा जोर लगा दिया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका में जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आम आदमी पार्टी पर जमकर हमले किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वोटिंग में बस पांच दिन बचे हैं। दिल वालों की दिल्ली ने ठान लिया है, आप–दा वालों को भगाना है। इस बार भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाना है। भाजपा दिल्ली को जितना आधुनिक बनाना चाहती है, उसकी एक झलक यहां द्वारका में दिखती है। केंद्र सरकार ने यहां भव्य यशोभूमि का निर्माण करवाया, यशोभूमि की वजह से यहां द्वारका, दिल्ली के हजारों नौजवानों को रोजगार मिला है, यहां लोगों का व्यापार बढ़ा है। आने वाले समय में ये पूरा क्षेत्र एक प्रकार से स्मार्ट शहर होगा। दिल्ली को केंद्र और राज्य सरकार की डबल इंजन वाली सरकार चाहिए। आपने पहले कितने ही साल कांग्रेस को देखा, फिर दिल्ली पर आप–दा वालों ने कब्जा कर लिया। आपने मुझे देश की सेवा करने का बार–बार अवसर दिया है, अब आप मुझे डबल इंजन सरकार बनाकर दिल्ली की भी सेवा करने का मौका दें। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आप–दा वालों ने दिल्ली को अपनी राजनीति चमकाने का एटीएम बना दिया है। आप–दा वालों ने दिल्ली का पैसा निचोड़ लिया है, लूट लिया है। दिल्ली में घोटाले करके ये आप–दा वाले कालेधन से देश के दूसरे राज्यों में राजनीति चमकाते हैं। दिल्ली में तकरार वाली नहीं, तालमेल वाली सरकार चाहिए, ताकि मिलजुल कर दिल्ली की हर बड़ी समस्या का समाधान हो। हमें मिलकर दिल्ली को लूट और झूठ की आप–दा से मुक्त कराना है।

11 साल से आप–दा कर रही लड़ाई

बीते 11 साल में आप–दा ने सबके साथ लड़ाई–झगड़ा ही किया है। ये केंद्र सरकार से लड़ते हैं, ये हरियाणा वालों के साथ लड़ते हैं, ये यूपी वालों के साथ लड़ते हैं, ये केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू नहीं होने देते हैं। अगर दिल्ली में यही आप–दा वाले ही रहे, तो दिल्ली विकास में पीछे रह जाएगी और बर्बाद होती जाएगी।

मेरा सपना हर गरीब का हो पक्का घरपीएम मोदी ने कहा कि मेरा अपना तो कोई घर नहीं है, लेकिन मेरा सपना है कि मैं हर गरीब को पक्का घर दूं। लेकिन यहां की आप–दा सरकार पूरी ताकत से जुटी हुई है कि आपको पक्के घर न मिल पाएं। ये टीवी पर, अखबारों में, सड़कों के किनारे अपने चेहरे चमकाने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं, लेकिन आपकी गली, नाली, सीवर, सड़क, पाइपलाइन... इनको बनाने के लिए आप–दा वाले पैसा नहीं देते।

चार एसपी व तीन एएसपी भेजे गए प्रयागराज, बसंत पंचमी स्नान के लिए सतर्क हुई सरकार

लखनऊ । महाकुंभ में मची भगदड़ के बाद प्रदेश सरकार बसंत पंचमी को होने वाले स्नान के लिए सतर्क हो गई। शुक्रवार को प्रदेश सरकार ने अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए चार एसपी और तीन एएसपी को महाकुंभ के लिए प्रयागराज भेज दिया है। इन अफसरों में दीपेंद्र नाथ चौधरी, लक्ष्मीनिवास मिश्र, राज धारी चौरसिया और श्रवण कुमार सिंह शामिल हैं। इसके अलावा, एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, ओम प्रकाश सिंह और प्रवीण कुमार यादव को भी महाकुंभ भेजा गया है। इसके पहले, प्रयागराज महाकुंभ में दर्दनाक हादसे के बाद सरकार ने पांच और अनुभवी अधिकारियों की टोली संगम नोज में तैनात की थी। इन अफसरों में एक आईएएस व चार पीसीएस अधिकारी शामिल थे। यह वे अधिकारी हैं, जो पहले प्रयागराज में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वर्ष 2019 में कुंभ के दौरान प्रयागराज में बतौर मंडलायुक्त सेवाएं देने वाले वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आशीष गोयल और भानु चंद्र गोस्वामी पहले ही महाकुंभ में तैनात किए जा चुके हैं। यह अधिकारी 15 फरवरी तक प्रयागराज में उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने में सहयोग देंगे। जिन अधिकारियों की बृहस्पतिवार को ड्यूटी महाकुंभ में लगाई गई है, उनमें वर्ष 2016 बैच के आइएएस अधिकारी अतुल सिंह हैं। वह इस समय खाद्य एवं रसद विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात हैं।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल का दावा, आप सरकार ने महीने में परिवारों के बचाए 25,000 रुपये

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज राष्ट्रीय राजधानी में श्बचत पत्रश अभियान शुरू किया। केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि आज, हम पूरी दिल्ली में एक नया अभियान शुरू कर रहे हैं। हमारे कार्यकर्ता घर–घर जाएंगे और लोगों से श्बचत पत्रश भरवाएंगे। हम परिवारों के साथ बैठेंगे और गणना करेंगे कि उन्हें आप की योजनाओं से कितना फायदा हुआ। आम आदमी पार्टी ने अपनी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के कारण दिल्लीवासियों द्वारा की गई बचत को उजागर करने के लिए श्बचत पत्रश अभियान शुरू किया। केजरीवाल ने कहा कि आप सरकार की योजनाओं के कारण दिल्ली के हर घर में प्रति माह 25,000 रुपये की बचत हुई, भाजपा जनता का पैसा लूटने के लिए विधानसभा चुनाव लड़ रही है। पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि आप सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के कारण दिल्ली में हर घर में हर महीने औसतन 25,000 रुपये की बचत होती है और अगर पार्टी सत्ता में लौटती है, तो इसकी नई पहल से लोगों की बचत में 10,000 रुपये और जुड़ जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री यहां आप के श्बचत पत्रश अभियान के शुभारंभ पर बोल रहे थे, जिसका उद्देश्य उनकी पार्टी की सरकार द्वारा लाई गई योजनाओं के वित्तीय लाभों को उजागर करना था। उन्होंने कहा कि हमारे स्वयंसेवक लोगों तक पहुंचेंगे और उनसे श्बचत पत्रश भरवाएंगे जिसमें वे नोट करेंगे कि वे हमारी मुफ्त कल्याण पहल के माध्यम से कितनी बचत कर रहे हैं। आप सरकार की नीतियों के तहत, दिल्ली का एक औसत परिवार प्रति माह 25,000 रुपये बचाता है और अगर लोग श्झाड़ूश पर बटन दबाकर पार्टी को सत्ता में वापस लाते हैं, तो इसकी नई योजनाएं इसमें 10,000 रुपये और जोड़ देंगी।

विवाद के बीच नायब सैनी ने दिल्ली में यमुना घाट का किया दौरा

हरियाणा, (एजेंसी)। जल विवाद के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली के वजीराबाद में यमुना घाट का दौरा किया। दो अलग–अलग बोतल में पानी दिखाते हुए सैनी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। केजरीवाल ने कहा था कि वह यमुना नदी को साफ करेंगे लेकिन उन्होंने इसे साफ नहीं किया और केजरीवाल ने इसे गंदा करने का काम किया है। हम साफ पानी दे रहे हैं। और ये दिल्ली का पानी है, ये गंदा पानी दिल्ली के लोगों को पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज केजरीवाल ने सामूहिक नरसंहार की बात कही है, इसके लिए केजरीवाल जिम्मेदार हैं और इसके लिए कोई और जिम्मेदार नहीं है। 10 साल बाद भी वह यमुना नदी को साफ नहीं कर पाए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आपको दिल्ली और हरियाणा की जनता से माफी मांगनी चाहिए। सैनी ने आरोप लगाया कि केजरीवाल फरीदाबाद में बड़े पैमाने पर नरसंहार करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि इस यमुना नदी के अंदर गंदा पानी छोड़ा जा रहा है, इसमें रसायन और अन्य प्रकार के दूषित पानी गिर रहे हैं, वह इसे साफ नहीं कर रहे हैं और दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग को अपने उस आरोप के बारे में जवाब सौंपा जिसमें उन्होंने कहा था कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने दिल्ली को आपूर्ति किये जाने वाले यमुना के पानी में ''जहर'' मिला दिया है। केजरीवाल ने अपने जवाब में कहा कि उनकी टिप्पणी ''कच्चे पानी में अमोनिया के खतरनाक उच्च स्तर'' के संदर्भ में थी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) को संबोधित अपने छह पृष्ठ के लिखित जवाब में केजरीवाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर राष्ट्रीय राजधानी में अत्यधिक प्रदूषित पानी भेजकर पांच फरवरी को होने वाले है।

चुनाव नियमों पर विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनाव आयोग को दिए निर्देश में मतदान के दौरान की वीडियो क्लिप को संरक्षित रखने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव नियमों पर हो रहे विवाद पर सुनवाई करते हुए कहा कि जब तक याचिकाओं का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक मतदान की वीडियो क्लिप संरक्षित रखी जाएं। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने इंदु प्रकाश सिंह की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई की। याचिका में चुनाव आयोग के उस नियम को चुनौती जिसमें हर विधानसभा में प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 1200–1500 बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। याचिका पर सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। पीठ ने कहा कि प्रतिवादी संख्या 1 के वकील हलफनामा दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग कर रहे हैं। हलफनामा तीन सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाए। हम प्रतिवादी संख्या 1 को सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को बनाए रखने का निर्देश देना उचित समझते हैं। याचिकाकर्ता इंदु प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की संख्या बढ़ाने का निर्णय मनमाना है। यह किसी डाटा पर आधारित नहीं है। चुनाव आयोग के फैसले से आगामी विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आम तौर पर चुनाव 11 घंटे तक चलते हैं और वोट डालने में 60 से 90 सेकंड का समय लगता है, इसलिए एक ईवीएम के साथ एक मतदान केंद्र पर एक दिन में 660 से 490 लोग वोट डाल सकते हैं। औसत मतदान 65.70 प्रतिशत मानते हुए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि 1,000 मतदाताओं के लिए तैयार मतदान केंद्र पर लगभग 650 मतदाता उपस्थित हुए। सिंह की याचिका में कहा गया है कि कुछ मतदान केंद्र ऐसे होते हैं, जहां मतदान प्रतिशत 85–90 प्रतिशत के बीच था। ऐसी स्थिति में लगभग 20 प्रतिशत मतदाता या तो मतदान समय के बाद भी कतार में खड़े रहेंगे या लंबे इंतजार के कारण अपने मताधिकार का प्रयोग करना छोड़ देंगे। लोकतंत्र में दोनों में से कोई भी स्वीकार्य नहीं है। इससे पहले शीर्ष अदालत ने 15 जनवरी को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की याचिका पर केंद्र और चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। इसमें 1961 के चुनाव नियमों में सीसीटीवी तक सार्वजनिक पहुंच न देने सहित हाल के संशोधनों के खिलाफ याचिका दायर की गई थी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दिया विकसित भारत का संदेश, अभिभाषण में महाकुंभ हादसे का भी किया जिक्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच संसद का बजट सत्र शुक्रवार को आरंभ हो गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। उन्होंने सांसदों को संबोधित करते हुए देश को विकसित भारत का संदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे पर दुख जताया। राष्ट्रपति ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक चेतना का पर्व है। उन्होंने कहा, श्इस समय महाकुंभ का ऐतिहासिक पर्व चल रहा है। यह भारत की सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक चेतना का पर्व है। करोड़ों लोग स्नान कर चुके हैं। मौनी अमवस्या के दिन हुए हादसे पर दुख व्यक्त करती हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। राष्ट्रपति मुर्मू ने अभिभाषण में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन का भी उल्लेख किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।मनमोहन सिंह का बीते साल 26 दिसंबर को निधन हो गया था। इससे पहले अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि संसद की इस बैठक को संबोधित करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। अभी दो माह पहले हमने संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ मनाई है और कुछ दिन पहले ही भारतीय गणतंत्र ने 75 वर्षों की यात्रा भी पूरी की है। ये अवसर लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत के गौरव को नई ऊंचाई देगा। भारत की विकास यात्रा के इस अमृतकाल को आज मेरी सरकार अभूतपूर्व उपलब्धियों के माध्यम से नई ऊर्जा दे रही है। तीसरे कार्यकाल में तीन गुना तेज गति से काम हो रहा है। आज देश बड़े निर्णयों और नीतियों को असाधारण गति से लागू होते देख रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार करते हुए तीन करोड़ अतिरिक्त परिवारों को नए घर देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए पांच लाख 36 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाने की योजना है। जनजातीय समाज के पांच करोड़ लोगों के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान प्रारंभ हुआ है। इसके लिए 80 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा देने का फैसला हुआ है। इन्हें हर वर्ष पांच लाख रुपये का हेल्थ कवर मिलेगा। उन्होंने कहा, श्मेरी सरकार ने युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने पर विशेष फोकस किया है। मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा में वित्तीय सहायता देने के लिए पीएम विद्यालक्ष्मी योजना शुरू की गई है। एक करोड़ युवाओं को शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर भी दिए जाएंगे।श उन्होंने कहा कि मेरी सरकार महिलाओं के नेतृत्व में देश को सशक्त बनाने में, यानी महिला के नेतृत्व वाले विकास में विश्वास करती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के द्वारा लोक सभा और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

झूठ नहीं बोलूंगा... 90 के दशक में कांग्रेस ने दलितों–पिछड़ों का भरोसा तोड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस ने पिछले 10–15 वर्षों में दलितों और पिछड़े वर्गों के लिए पर्याप्त काम नहीं किया है। साथ ही राहुल ने यह भी कहा कि न्हें यह स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं है कि पार्टी उनकी दादी और पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व के बाद वंचित वर्गों के विश्वास को बरकरार रखने में सक्षम नहीं रही है। गुरुवार को दलित प्रभावशाली व्यक्तियों और बुद्धिजीवियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, गांधी ने कहा कि दलित और पिछड़े मुक्ति का एक नया चरण आकार लेना शुरू कर रहा है। दिल्ली चुनाव प्रचार के बीच एक सभा में बोलते हुए, गांधी ने अपने पसंदीदा विषय पर कहा कि कैसे सामाजिक रूप से पिछड़े और उपेक्षित लोगों को, कुछ प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व को छोड़कर, भाजपा शासन के दौरान राजनीतिक व्यवस्था और संस्थागत ढांचे में आनुपातिक नियंत्रण कभी नहीं मिला। इसके बाद गांधी ने कांग्रेस को ही आईना दिखाया। राहुल ने कहा कि कांग्रेस के श्सिपाहीश के रूप में, मैं यह भी कह रहा हूंरू पिछले 10–15 वर्षों के दौरान (संयोग से, वह अवधि जब सोनिया गांधी और राहुल ने ज्यादातर पार्टी का नेतृत्व किया), कांग्रेस ने वह नहीं किया जो उसे करना चाहिए था। अगर मैं आपको यह नहीं बताऊंगा तो मैं झूठ बोलूंगा। राहुल ने कहा कि मुझे झूठ बोलना पसंद नहीं है। यह हकीकत है कि अगर कांग्रेस ने दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों का विश्वास बरकरार रखा होता तो आरएसएस कभी सत्ता में नहीं आता। मैं कह सकता हूं कि इंदिरा गांधी जी के समय में पूरा भरोसा कायम था, ।

मंत्री नितिन ने दिया दिल्ली की जनता को वचन- तुम भाजपा को वोट दो मैं तुम्हें प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से निजात दिलाउंगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी देश के उन कुछ चुनिंदा नेताओं में से हैं जिनके काम को विपक्षी दल भी सराहते हैं। नितिन गडकरी देश के उन कुछ चुनिंदा नेताओं में से हैं जिन्होंने पिछले दस सालों से अपने काम के जरिये जनता का विश्वास जीता है और हर कोई चाहता है कि गडकरी की नजर उसके क्षेत्र पर पड़ जाये ताकि वहां की समस्याओं का निराकरण हो जाये। केंद्रीय मंत्री होने के नाते नितिन गडकरी ने देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति में तो उल्लेखनीय सुधार किया ही है साथ ही उन्होंने एनसीआर क्षेत्र में भी तमाम एक्सप्रेस–वे के जरिये हालात में काफी बदलाव किये हैं। हम आपको बता दें कि नितिन गडकरी इस समय दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में उतरे हुए हैं और जनता को विश्वास दिला रहे हैं कि यदि भाजपा की जीत होती है तो पांच साल के भीतर राष्ट्रीय राजधानी यातायात जाम और वायु प्रदूषण से मुक्त हो जाएगी। गडकरी ने 'डबल इंजन' सरकार के लाभों पर जोर देते हुए कहा,

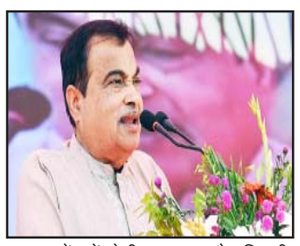

''अगर केंद्र में मोदी सरकार और दिल्ली में भाजपा सरकार होगी तो राजधानी की प्रगति बुलेट ट्रेन की तरह 10 गुना तेज हो जाएगी।'' देखा जाये तो गडकरी ने जो कुछ कहा है वो सिर्फ कोरा आश्वासन नहीं है बल्कि गडकरी की गारंटी है। आप देख रहे होंगे कि इस समय दिल्ली में विभिन्न नेता तमाम तरह की गारंटियां दे रहे हैं। इन नेताओं की गारंटियों का इतिहास देखेंगे तो आपको सबसे ज्यादा प्रभावी गारंटी गडकरी की ही लगेगी। दिल्ली वासियों को रोजाना घर से ऑफिस और ऑफिस से घर जाते समय घंटों ट्रैफिक जाम में बिताने पड़ते हैं। सोचिये यदि इस जाम से निजात मिल जाये तो आपको कितना फायदा होगा। दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर हर दूसरे तीसरे दिन ग्रैप की विभिन्न श्रेणियों वाली पाबंदियां लग जाती हैं जिससे तमाम तरह के प्रतिबंध लग जाते हैं। सोचिये यदि यह प्रदूषण खत्म हो जाये तो आपको कितना स्वास्थ्य लाभ होगा? लेकिन यह तभी संभव है जब दिल्लीवासी सही सरकार का चुनाव करें। एक ऐसी सरकार जिसने पिछले दस सालों में दिल्ली के प्रदूषण को खत्म करने का स्थायी इलाज निकालने की बजाय सिर्फ ऑड–ईवन आधार पर वाहन चलाने वाली नीति लागू की उस सरकार या पार्टी से ज्यादा अपेक्षा रखना दिल्ली के लिए और नुकसानदेह साबित होगा। इसलिए जरूरी है कि अपने काम के बलबूते जनता का विश्वास जीतने वाले गडकरी जैसे नेताओं की बात को सुना जाये और दिल्ली तथा आने वाली पीढ़ी के सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव रखी जाये। कि विधानसभा चुनाव प्रचार में गडकरी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए। दिल्ली को वायु प्रदूषण, यातायात भीड़भाड़ और कचरा प्रबंधन जैसी समस्याओं से मुक्त कराने का वादा किया है। उन्होंने कहा, ''मैं आपको वचन देता हूं। यदि आप दिल्ली सरकार में भाजपा का इंजन लगाएंगे तो हम पांच साल के भीतर दिल्ली को यातायात जाम और वायु प्रदूषण से मुक्त कर देंगे।

व्यापार करने के लिए किया गया महाकुंभ का आयोजन – सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रयागराज में महाकुंभ में व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश ने कहा कि राष्ट्रपति के भाषण से ज्यादा अहम है कुंभ में लापता हुए लोगों का मुद्दा। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह एक नंबर जारी करे जिस पर लोग कॉल करके अपने प्रियजनों के बारे में जानकारी ले सकें। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अभी भी वहां सड़कों पर फंसे हुए हैं। कुम्भ में आने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी भारत सरकार की जिम्मेदारी है। अखिलेश ने आगे कहा कि अगर महाकुंभ पर कितना पैसा खर्च हुआ है और सरकार कितना खर्च करेगी, इसकी जानकारी भी भाषण में शामिल थी। यूपी सरकार कह रही है कि महाकुंभ से 2 लाख करोड़ रुपये का राजस्व आएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या व्यापार करने के लिए महाकुंभ का आयोजन किया गया है? महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के बाद अपने घरों को लौट रहे श्रद्धालुओं को विभिन्न जगहों पर बैरिकेड लगाए जाने और जाम की वजह से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाकुंभ में भगदड़ के कारण कम से कम 30 श्रद्धालुओं की मौत पर शुक्रवार को दुख जताया और घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक चेतना का पर्व है। मुर्मू ने कहा, ''इस समय महाकुंभ का ऐतिहासिक पर्व चल रहा है। यह भारत की सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक चेतना का पर्व है। करोड़ों लोग स्नान कर चुके हैं।'' उन्होंने कहा, ''मौनी अमवस्या के दिन हुए हादसे पर दुख व्यक्त करती हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।''

संपादकीय

सरकारी स्कूलों पर भरोसा

निर्विवाद रूप से आम लोगों की धारणा सरकारी स्कूलों के प्रति अच्छी नहीं रहती। थोड़ी आर्थिक स्थिति सुधरते ही लोग अपने बच्चों को महंगे निजी स्कूलों में भेजने को आतुर हो जाते हैं। कोरोना संकट ने बताया था कि जब तमाम लोगों की आर्थिक स्थिति खराब हुई और नौकरियां गई, तो सरकारी स्कूलों ने उनके बच्चों को सहारा दिया। आंकड़े बताते हैं कि कोरोना संकट के दौरान व बाद में सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिलों में खासी तेजी आई थी। लेकिन यह सवाल नीति–नियंताओं के लिये विचारणीय है कि बेहतर संरचनात्मक सुविधाओं व ऊंचे वेतनमान वाले शिक्षकों के बावजूद सरकारी स्कूल जनमानस की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतरते। समाज के संपन्न तबके व अधिकारियों के बच्चे सरकारी स्कूलों में जाने से गुरेज क्यों करते हैं? बहरहाल, एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट यानी असर 2024 के जो निष्कर्ष बीते मंगलवार को दिल्ली में जारी किए गए, वे नई उम्मीद जगाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को लेकर किए गए अध्ययन वाली असर की रिपोर्ट बताती है कि देश में छह से चौदह वर्ष के बच्चों के पढ़ने की क्षमता और गणितीय कौशल में कोरोना संकट के बाद सुधार देखा गया है। सरकारी स्कूलों में तीसरी कक्षा के बच्चों के पढ़ने की बुनियादी क्षमता में पहले से सुधार हुआ है। जो पिछले दो दशकों में सर्वोत्तम स्तर पर है। अच्छी बात यह है कि सरकारी व निजी दोनों स्तर पर स्कूलों में विद्यार्थियों के बुनियादी गणितीय कौशल में सुधार देखा गया। जो पिछले एक दशक में बेहतर है। अब कक्षा तीन के छात्र घटाव के प्रश्न हल करने में सक्षम हैं। वहीं कक्षा पांच के बच्चे भाग के प्रश्न हल कर सकते हैं। अच्छी बात यह भी कि देशभर के स्कूलों में सीखने के स्तर में भी सुधार आया है। यह स्तर 2010 तक स्थिर था, फिर इसमें गिरावट का ट्रेंड देखा गया था। दरअसल,कोरोना काल में बच्चों के सीखने की क्षमता में गिरावट देखी गई। महामारी के चलते स्कूल बंद होने के बाद बच्चे पढ़ नहीं पाए। अधिकांश बच्चों के पास स्मार्टफोन नहीं थे। वहीं घर में माता पिता के कम पढ़े–लिखे होने या अनपढ़ होने से बच्चों का सीखने का मूलभूत कौशल प्रभावित हुआ था। बच्चे पहले का सीखा भूल गए और बड़ी संख्या में बच्चों को स्कूल भी छोड़ना पड़ा। असर की रिपोर्ट बताती है कि जहां नामांकन प्रतिशत में वृद्धि हुई है,वहीं डिजिटल साक्षरता की दर में भी वृद्धि देखी गई है। सुखद है कि कोरोना काल के बाद स्कूलों में पढ़ाई को लेकर गंभीरता देखी गई है। जागरूकता अभिभावकों के स्तर पर भी देखी गई है। हालांकि, बीते वर्ष के मुकाबले छह से चौदह वर्ष तक के बच्चों के दाखिलों में कमी देखी गई है। जिसकी वजह है कि कोरोना संकट के चलते रोजगार प्रभावित होने से जो बच्चे सरकारी स्कूलों की तरफ आए थे, वे फिर आय बढ़ने पर निजी स्कूलों की ओर रुख करने लगे हैं। दरअसल, सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भरोसा कायम करने की जरूरत है। वैसे सरकारी स्कूलों में भी स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले बच्चों की संख्या बढ़ी है। वहीं दूसरी असर की रिपोर्ट में पंजाब को लेकर कहा गया है कि स्कूली बच्चे पंजाबी पढ़ने को लेकर निराशाजनक प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब सरकार के स्कूलों में कक्षा तीन के केवल 34 फीसदी छात्र ही दूसरी कक्षा की पाठ्य पुस्तकें पढ़ सकते हैं। हालांकि, पढ़ने की क्षमता और अंकगणित की समस्याओं के हल करने के मामले में सरकारी स्कूलों ने निजी स्कूलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया । लेकिन चौंकाने वाली बात यह कि सरकारी व निजी स्कूलों के तीसरी कक्षा के 15 फीसदी से अधिक छात्र ही गुरुमुखी लिपि के अक्षर पढ़ सकते हैं, शब्द नहीं। वहीं 4.6 फीसदी छात्र पंजाबी के अक्षर भी नहीं पढ़ सकते। हालांकि, बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर पंजाब राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में रहा है। राष्ट्रीय स्तर से बेहतर 97.4 स्कूलों मे मध्याह्न भोजन परोसा गया। वहीं राष्ट्रीय औसत 11.1 के मुकाबले 32.7 फीसदी स्कूलों में छात्र कंप्यूटर का उपयोग करते हैं। लेकिन अभी सुधार की बहुत गुंजाइश है।

आम आदमी को खुशहाल बनाये केन्द्रीय बजट

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को लोकसभा में केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों से चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार का अगर पिछला रिकॉर्ड देखा जाये तो अनुमान है कि यह बजट जनसामान्य को शायद ही कोई राहत पहुंचाने वाला होगा। बल्कि 2025–26 के लिये प्रस्तुत होने वाला यह वित्तीय प्रतिवेदन श्कार्पोरेट फ्रेंडलीय हो, तो भी आश्चर्य नहीं। इसके बावजूद उम्मीद की जानी चाहिये कि सरकार ऐसा बजट लाये जिससे सामान्य जनता को राहत मिले। महंगाई घटे, रोजगार के अवसर बनें, किसानों, मजदूरों, निम्न, मध्यम तथा वेतनभोगियों जैसे वर्गों की आय में इजाफा हो– यह सरकार को सुनिश्चित करना होगा। जिन वस्तुओं का इस्तेमाल सामान्य लोग करते हैं उन पर किसी तरह की टैक्स बढ़ोतरी न हो। प्रयास तो ऐसे हों कि उनकी कीमतें घटें ताकि लोगों की जेब पर बढ़ता दबाव कम हो सके। हाल–फिलहाल में भाजपा को कोई चुनाव लड़ना नहीं है इसलिए वो नफे–नुकसान की चिंता से मुक्त होकर मन की बात वाला बजट पेश कर सकती है। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा की स्थिति कमजोर थी, धन्ना सेठों और सत्तालोलुप नेताओं की मदद से भाजपा की नैया पार तो हो चुकी है परन्तु उसे केन्द्र की सरकार बचाने के ऐवज में व्यवसायिक लॉबी के लिये बहुत कुछ करना होगा। उनके लिये कम दरों में ब्याज देने या सरकारी बैंकों को घाटे में डालकर भी ऋ ण देने के लिये पूंजी जुटानी होगी। ऐसा वह मध्य वर्ग, नौकरीपेशा तथा तमाम टैक्स पटाने वालों के बल पर ही करेगी। केन्द्र सरकार की संरचना देखें तो साफ है कि वह कई दलों के सहयोग पर टिकी है। खासकर, बिहार के जनता दल यूनाइटेड एवं आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी को संतुष्ट रखना उसके लिये जरूरी है। इन दोनों के ही नेता, क्रमशरू नीतीश कुमार एवं चंद्रबाबू नायडू अपनी मांगें रखने और मनवाने के उस्ताद माने जाते हैं। आंध्रप्रदेश को अपनी नयी राजधानी बनाने तथा बिहार को विशेष पैकेज के नाम पर बड़ी राशियां चाहिये होंगी जिसे पूरा करना मोदी सरकार की सियासी मजबूरी होगी। फिर, देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई जिस महाराष्ट्र में स्थित है, वह राज्य भी भाजपा की झोली में है। यहां एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना तथा अजित पवार धड़े की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी भाजपा की सहयोगी हैं जिनके साथ मिलकर सरकार चल रही है। इन दो क्षत्रपों को भी लाभ पहुंचाना सरकार को बचाये रखने के लिये लाजिमी होगा। भाजपा के इन तमाम राजनीतिक खर्चों के लिये राशि जुटाने का काम मोदी के कारोबारी मित्रों के जरिये ही होगा। उद्योग–व्यवसाय के विकास के नाम पर पेश होने वाले तमाम बजटीय प्रावधानों को सूक्ष्मता से देखना होगा कि वे वाकई किसके हक में जायेंगे। वैसे मोदी सरकार पूंजीपतियों को मदद पहुंचाने का काम कोई चोरी–छिपे नहीं करती,। फिर भी इस बार की परिस्थितियां उपरोक्त कारणों से पहले के मुकाबले कुछ भिन्न हैं। बजट के लक्ष्य आर्थिक कम और राजनीतिक अधिक होने के कारण वे कतिपय आवरणों में पेश किये जायेंगे।

दिल्ली में चुनाव प्रचार के आखिरी सप्ताह में बाजी पलटने के संकेत

कृ डॉ. ज्ञान

मुफ्त में दी जाने वाली चीजों पर भाजपा का रुख तब और हास्यास्पद हो गया, जब अरविंद केजरीवाल ने अपना नया अभियान शुरू करते हुए दावा किया कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो वह लोगों के लिए आप सरकार द्वारा शुरू की गयी सभी कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देगी। भाजपा के शासन में मुफ्त बिजली, पानी, शिक्षा या स्वास्थ्य सेवा बंद कर दी जायेगी। दिल्ली चुनाव प्रचार 5 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले 3 फरवरी को समाप्त होने वाले अंतिम सप्ताह में प्रवेश कर गया है। चुनाव प्रचार की शुरुआत में भाजपा आक्रामक और आप के राजनीतिक कथानक पर हावी दिख रही थी, लेकिन अब जब चुनाव प्रचार अपने चरम पर पहुंच रहा है, तो भाजपा रक्षात्मक हो गई है और अनजाने में अपने ही राजनीतिक जाल में फंस गयी है। चुनाव प्रचार की शुरुआत में भाजपा ने दो खास रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया – पहला, भ्रष्टाचार के लिए आप नेतृत्व को निशाना बनाना और दिल्ली के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले मुफ्तखोरी में सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचानाय और दूसरा, कांग्रेस पर इस बात पर जोर देकर निशाना साधना कि इंडिया ब्लॉक टूट रहा है। कांग्रेस और आप ने इंडिया ब्लॉक का हिस्सा होने के बावजूद दिल्ली चुनाव अपने दम पर लड़ने का फैसला किया, जिससे भाजपा को उम्मीद थी कि उनके अलग होने से भाजपा विरोधी वोट बंट जायेंगे, जिसका फायदा भाजपा को होगा। उनका ऐसा सोचना सही था, लेकिन कांग्रेस को निशाना बनाने की उनकी रणनीति गलत साबित हुई, क्योंकि कांग्रेस को कमजोर करने के प्रयासों ने भाजपा विरोधी वोटों को और अधिक विभाजित करने की कांग्रेस की क्षमता को कम कर दिया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिया ब्लॉक टूट रहा है। उसने हमेशा ब्लॉक के अन्य राजनीतिक दलों का हवाला देते हुए ऐसा कहा। भाजपा के इस तरह के अभियान ने हालांकि कांग्रेस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया, लेकिन इसने उसके विरोधी आप को मजबूत किया। इंडिया ब्लॉक के भीतर जो कुछ हुआ, जैसे कि कांग्रेस और आप का अलग होना, शुरू में दोनों इंडिया ब्लॉक पार्टियों की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने वाला माना गया। इसलिए भाजपा ने ब्लॉक में हुए विभाजन के लिए आप और कांग्रेस दोनों को ही खराब रोशनी में पेश करने की पूरी कोशिश की। हालांकि, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), समाजवादी पार्टी (एसपी) जैसे अन्य राजनीतिक दल खुलकर आप के पक्ष में आ गये, तो स्थिति बदल गयी। कांग्रेस और भी कमजोर हो गयी, एक तो इसलिए क्योंकि वह भाजपा के निशाने पर थी, और दूसरा इसलिए क्योंकि दिल्ली के मतदाताओं को यह स्पष्ट संकेत मिल गया कि कांग्रेस दिल्ली चुनाव में इंडिया ब्लॉक सहयोगियों के बीच भी अलग–थलग पड़ गयी है। यह आप से सत्ता छीनकर दिल्ली चुनाव जीतने की भाजपा की राजनीतिक संभावनाओं के खिलाफ गया, क्योंकि भाजपा नेतृत्व भाजपा विरोधी मतों के विभाजन की उम्मीद कर रहा था। शुरू में, भाजपा को उम्मीद थी कि कांग्रेस 2020 के विधानसभा चुनावों में मिले 5 प्रतिशत से भी कम वोट शेयर को बढ़ाकर लगभग 15 प्रतिशत करने में सक्षम होगी, जिससे भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। हालांकि, दिल्ली में तेजी से बदलते राजनीतिक परिदृश्य में, कांग्रेस की चुनावी संभावना उस स्तर तक नहीं बढ़ सकी, जिसकी भाजपा को उम्मीद थी, जिसके लिए भाजपा की अपनी रणनीतिक गलतियां भी जिम्मेदार हैं। दूसरे शब्दों में, भाजपा ने अपनी संभावनाओं को खुद ही नुकसान पहुंचाया। दूसरी ओर, टीएमसी और एसपी द्वारा दिल्ली में न केवल आप का समर्थन करने, बल्कि उसके उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के फैसले ने भाजपा विरोधी वोटों में विभाजन की संभावना को काफी हद तक कम कर दिया है, जिनमें से अधिकांश अभी भी आप के साथ हैं, और केवल एक छोटे से हिस्से के कांग्रेस की ओर जाने की संभावना है। आप के पक्ष में इंडिया ब्लॉक सहयोगियों का कदम वास्तव में कांग्रेस के खिलाफ नहीं है, बल्कि भाजपा के खिलाफ लक्षित है, वह भी एकजुट होकर। इसलिए, जमीनी स्तर पर राजनीतिक स्थिति से पता चलता है कि चुनावी लड़ाई मुख्य रूप से आप और भाजपा के बीच लड़ी जा रही है, और कांग्रेस राजनीतिक लड़ाई के किनारे पर है। आप और उसके सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भाजपा की राजनीतिक रणनीति शुरू में भ्रष्टाचार के आरोपों के इर्द–गिर्द घूमती थी। चुनाव के दौरान भी, केंद्र सरकार ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अभियोजन को मंजूरी दी थी। दिल्ली शराब मामले में भ्रष्टाचार के सभी आरोपी पहले ही जमानत पर हैं, ऊपर से सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी भी की है। इस प्रकार, नयी मंजूरी को आम मतदाताओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी को प्रताड़ित करने के रूप में देखा। भाजपा नेतृत्व, खास तौर पर भारत के प्रधानमंत्री ने विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा आम लोगों के लिए शुरू की गयी कल्याणकारी योजनाओं के तहत मुफ्त में दी जाने वाली चीजों को श्रेवाड़ियांय करार दिया है। भाजपा नेतृत्व ने दावा किया कि मुफ्त में दी जाने वाली चीजों से सरकारी खजाने और देश के विकास को भारी नुकसान हो रहा है। इसके बाद आप सुप्रीमो केजरीवाल ने श्रेवड़ी पर चर्चाय नामक राजनीतिक अभियान शुरू किया। उनके अभियान को लोगों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिसके कारण भाजपा को भी सत्ता में आने पर कई मुफ्त चीजें देने का वायदा करना पड़ा। हालांकि, भाजपा के मुफ्त में दी जाने वाली चीजों के वायदे सतही तौर पर मतदाताओं को लुभाने वाले थे, लेकिन अरविंद केजरीवाल के हाथों में एक नया हथियार आ गया, जिन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अब यह स्वीकार करना चाहिए कि आप द्वारा मुफ्त में दी जाने वाली चीजें राष्ट्रीय विकास के लिए बुरी नहीं हैं, क्योंकि वे भी मुफ्त में देने का वायदा कर रहे हैं। मुफ्त में दी जाने वाली चीजों पर भाजपा का रुख तब और हास्यास्पद हो गया, जब अरविंद केजरीवाल ने अपना नया अभियान शुरू करते हुए दावा किया कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो वह लोगों के लिए आप सरकार द्वारा शुरू की गयी सभी कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देगी। भाजपा के शासन में मुफ्त बिजली, पानी, शिक्षा या स्वास्थ्य सेवा बंद कर दी जायेगी।

इससे भाजपा फिर से रक्षात्मक हो गयी है और पार्टी चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में कह रही है कि अगर वह सत्ता में आती है तो केजरीवाल सरकार द्वारा शुरू की गयी किसी भी कल्याणकारी योजना को बंद नहीं करेगी। इसके अलावा, भाजपा नेता कह रहे हैं कि वे कई नये कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू करेंगे और पार्टी ने अपने घोषणापत्र में इसका वायदा किया है। इस तरह भाजपा अप्रत्यक्ष रूप से केजरीवाल और आप सरकार के लिए प्रचार कर रही है। दिल्ली के चुनाव प्रचार में भाजपा की ओर से अधिकारियों की प्रत्यक्ष भागीदारी भी स्पष्ट रूप से देखी गयी है, जो लोकतंत्र में बहुत बुरी बात है, क्योंकि दिल्ली में अधिकारी निर्वाचित आप सरकार के सीधे नियंत्रण में नहीं हैं, बल्कि कानून के तहत उपराज्यपाल के नियंत्रण में हैं, जो भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के निर्देश पर काम करते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान जब आप ने महिलाओं को अधिक वित्तीय मदद और अन्य लोगों को मुफ्त चिकित्सा सुविधाओं का वायदा किया, तो सरकारी अधिकारियों ने सार्वजनिक नोटिस जारी किया कि वायदे धोखाधड़ी हैं। आप के खिलाफ राजनीति करने वाले अधिकारियों का ताजा उदाहरण दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ द्वारा अरविंद केजरीवाल के इस आरोप का खंडन है कि हरियाणा यमुना नदी के पानी को जहरीला बना रहा है। डीजेबी के सीईओ ने दिल्ली के मुख्य सचिव को एक लिखित पत्र भेजा है और कहा है कि हरियाणा के खिलाफ केजरीवाल का आरोप श्तथ्यात्मक रूप से गलत और आधारहीनय है। उन्होंने पत्र को उपराज्यपाल को भेजने का अनुरोध किया है। यह पत्र मीडिया में लीक हो गया है और व्यापक रूप से प्रकाशित हुआ है। यह सर्वविदित है।

अमेरिकी वर्चस्व को डीपसीक की चुनौती

डॉ. संजय

अमेरिकी सत्ता पर दोबारा काबिज होने के पहले ही दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चीनी एप टिकटॉक पर अपने देश में लगी पाबंदी हटाने का ऐलान किया, तो उन्हें अहसास नहीं रहा होगा कि एक अन्य चीनी क्रांति उनकी नींद हराम करने के लिए पैदा हो गई है। यह क्रांति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उस दायरे में हुई है, जिसमें ओपन एआई, गूगल और फेसबुक आदि इंटरनेट कंपनियों के चौटजीपीटी, जेमनाई (बार्ड), को–पायलट और मेटा एआई जैसे अमेरिकी टूल या सॉफ्टवेयर पूरी दुनिया पर कब्जा किए हुए बैठे हैं। बात डीपसीक आर–1 नामक उस चीनी चौटबॉट की है, जिसके आगमन ने एआई बरतने वालों में यह कौतूहल जगा दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले अमेरिकी टूल्स या सॉफ्टवेयर के मुकाबले ग्राहकों को इस चीनी इंतजाम की सुविधाएं मुफ्त हासिल होंगी और ज्यादा तेजी से मिलेंगी। डीपसीक इसकी सबसे ताजा मिसाल है कि तकनीक के क्षेत्र में किसी एक देश, इलाके या कंपनी का एकछत्र साम्राज्य या एकाधिकार कितनी तेजी से ध्वस्त हो सकता है। इससे भरोसा जगा है कि अगर कोई गरीब या विकासशील मुल्क मामूली संसाधनों के बल पर विकसित देशों के बराबर पहुंचना चाहे, तो दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर आज वह ऐसा आसानी से कर सकता है। याद कीजिए, जब 1980 के दशक के आखिर में अमेरिका ने भारत को क्रे नामक सुपर कम्प्यूटर देने से इनकार कर दिया था। वह आशंकित था कि भारत इसका इस्तेमाल अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में कर सकता है। कालांतर में भारत के सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी–डैक) ने परम–8000 नामक सुपर कंप्यूटर बना लिया। दिखा दिया कि तकनीकी क्रांति में किसी की बपौती नहीं चल सकती। आज वही हालात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में बन गए हैं। चीन एआई में बराबरी में आने के बारे में भी न सोच सके, इसका प्रबंध बाइडेन सरकार ने डच कंपनी द्वारा बनाई जाने वाली लिथोग्राफी मशीनों की चीन को बिक्री पर रोक लगाने के रूप में किया था। ये मशीनें बेहद एडवांस माइक्रोचिप्स बना सकती हैं। इनका इस्तेमाल एआई के टूल्स और सॉफ्टवेयर में होता है। हालांकि, डीपसीक के निर्माता अमेरिकी कंपनी एनवीडिया से खास किस्म के माइक्रोचिप्स (ए–100 और एच–800) पहले ही खरीद चुके थे, लिहाजा उनका अत्यधिक किफायत से इस्तेमाल कर चौटबॉट डीपसीक बना डाला गया। कहां तो अमेरिका इस कोशिश में था कि चीन एआई के मामले में उसका पिछलग्गू बना रहे, लेकिन लागत और तेजी में डीपसीक उससे आगे निकल गया। डीपसीक आर–1 के आर्थिक फायदे–नुकसान की एक तस्वीर तो दुनिया देख ही चुकी है। जैसे ही अमेरिका में डीपसीक के पहुंचने की खबरें आईं, उसके शेयर बाजारों में तबाही का आलम पैदा हो गया। इसकी वजह एआई के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों के दबदबे को चुनौती मिलना है। डीपसीक आर–1 चूंकि एक मुफ्त (ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर) एआई टूल या कहें कि चौटबॉट है, जिसे बनाने में अमेरिका की महंगी तकनीक और माइक्रो चिप्स की बजाय उनके सस्ते संस्करण इस्तेमाल किए गए हैं, लिहाजा माना गया कि तकनीक के आविष्कार और उसे आजमाने की जो लागत और कीमत अमेरिकी कंपनियां बताती रही हैं, वे बढ़ा–चढ़ाकर बताई गई हैं। मिसाल के तौर पर अमेरिकी कंपनी ओपन एआई ने चौटजीपीटी को जिस लागत में बनाया था, डीपसीक के निर्माण की लागत उससे दस गुना कम (60 लाख डॉलर यानी करीब 52 करोड़ रुपये) आई है। इस चीनी कंपनी ने साबित कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले वही काम बेहद सस्ते में और कई मामलों में मुफ्त में हो सकते हैं जिनके लिए अमेरिकी कंपनियां दसियों गुना ज्यादा पैसा ले रही हैं। हालांकि, कुछ का कहना है कि यह दावा करना कि एआई का कोई बेहद शानदार प्रबंध बहुत कम पैसे में हो गया है– एक भू–रणनीतिक योजना का हिस्सा हो सकता है। ऐसा कहने के पीछे अमेरिका के खिलाफ आर्थिक युद्ध छेड़ने की मंशा काम कर रही होगी। दरअसल, कृत्रिम रूप से कम लागत का दावा करने का अर्थ यह साबित करना है कि अमेरिकी कंपनियां छद्म रूप से लागत और कीमतें कई गुना बढ़ाकर बताती हैं। लेकिन यदि वही काम दस–बीस गुना कम कीमत में हो सकता है, तो प्रतिस्पर्धा में आने वाली कंपनी या तो अपने उत्पाद की कीमत उसकी बराबरी में लाने को मजबूर हो जाएगी या फिर घाटा उठाने अथवा कामकाज बंद करने को मजबूर हो जाएगी। लेकिन क्या मुफ्त होने के साथ–साथ डीपसीक आर–1 चौटजीपीटी या गूगल के जेमनाई की तरह ही सक्षम है और उनकी बराबरी कर सकता है। अभी दो चीजों को लेकर डीपसीक की घेराबंदी शुरू हो गई है। पहली चीज है पूर्वाग्रह–प्रेरित जवाब देना या जवाब देने से इनकार कर देना। जैसे, जब डीपसीक पर सवाल पूछा गया कि चार जून, 1989 को तियानमेन चौराहे पर द टैंकमैन नामक मशहूर घटना का विवरण क्या है, तो डीपसीक जवाब देने से कन्नी काट गया। सवाल दोहराते रहने पर भी यही जवाब मिला कि वह तो एक एआई अस्सिटेंट है, जिसे कोई नुकसान पहुंचाने वाले जवाबों से परहेज बरतने के लिए डिजाइन किया गया है। दूसरा एतराज डीपसीक को लेकर यह है कि यदि आप इस पर पंजीकरण (साइन–अप) करते हैं, तो यह आपकी सारी निजी जानकारियां चीन तक पहुंचा देगा। भारत में चीन के सोशल मीडिया एप– टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने और अमेरिका में चीनी कंपनी हुवावे का कारोबार रोकने के पीछे यही तर्क दिया जाता रहा है कि ये चीनी उपकरण और स्मार्ट मशीनें जासूसी करती हैं। दावा यह भी कि डीपसीक असल में चीन का एक नया जासूस या एजेंट है। ऐसा तर्क देने वालों के मुताबिक डीपसीक की निजता संबंधी नीति (प्राइवेसी पॉलिसी) को मंजूर करने का मतलब है कि आपने यह शर्त मान ली है कि डीपसीक आपकी जानकारी को देश के बाहर सर्वर पर स्टोर कर सकता है। कहने का अभिप्राय यह है कि डीपसीक को जब आप अपने फोन से तमाम निजी जानकारियां संग्रह

30 लोगों की मौत बड़ी खबर है या 30 करोड़ लोगों का सकुशल स्नान करना बड़ी बात है ?

नीरज

महाकुंभ मेले में मौनी अमावस्या पर्व पर मची भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मृत्यु होना बहुत दुखद खबर है। लेकिन इस हादसे के बावजूद आठ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने उसी दिन स्नान किया और सकुशल वापस घर गये यह उत्तर प्रदेश प्रशासन की एक बड़ी उपलब्धि भी है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले की आबादी देखें तो वह लगभग 60 लाख के आसपास है। कुम्भ मेले में अब तक आ चुके श्रद्धालुओं का आंकड़ा देखें तो वह 30 करोड़ के पास पहुँचने वाला है। योगी सरकार का आकलन है कि 26 फरवरी तक चलने वाले धरती के इस सबसे बड़े मेले में 45 करोड़ के आसपास लोग आयेंगे। ऐसे में आप कल्पना करके देखिये कि इतनी बड़ी भीड़ को संभालने और उनके लिए तमाम तरह की व्यवस्थाएं करने के लिए प्रशासन ने कितने समय से कितने प्रयास किये होंगे। भगदड़ की एक घटना को लेकर पूरी व्यवस्था पर प्रश्न उठाने वालों को यह भी देखना चाहिए कि मौनी अमावस्या से पहले ही रात को लगभग पांच करोड़ लोग सकुशल स्नान कर चुके थे और घटना के बाद भी आठ करोड़ लोगों ने सकुशल स्नान किया था। इससे पहले के अमृत स्नान के दौरान भी लगभग पांच करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया था लेकिन किसी को खरोंच तक नहीं आई थी। जिन लोगों को एक दिन में एक जगह पर आठ से दस करोड़ लोगों का स्नान करना मामूली बात लगती है उन्हें पता होना चाहिए कि यह संख्या कई देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। आपने देखा होगा कि भगदड़ की घटना की खबर मिलते ही विपक्ष के कई नेता इतनी तेजी से बयान जारी करने लग गये थे जैसे कि वह पहले से टाइप करके रखा गया था और किसी हादसे की प्रतीक्षा की जा रही थी ताकि योगी सरकार को घेरा जा सके। कुछ मीडिया संस्थानों ने भी सनसनी फैलाने में देरी नहीं लगाई और अपनी जिम्मेदारी को नहीं समझते हुए सिर्फ अव्यवस्था संबंधी खबरें चलाईं। जबकि सच्चाई यह थी कि घटना के कुछ ही मिनटों के भीतर हालात पर काबू पाया जा चुका था और इसी का परिणाम था कि पूरे दिन स्नान सुचारू रूप से चला और आज भी करोड़ों लोग अब तक डुबकी लगा चुके हैं और सरकार के इंतजामों की तारीफ कर रहे हैं। कुछ लोगों ने सोशल मीडिया और मीडिया के मंचों से सवाल उठाया कि जब यूपी सरकार सुबह–शाम

श्रद्धालुओं की संख्या के आंकड़े जारी कर रही है तो उसे सुबह मारे गये श्रद्धालुओं की संख्या बताने में सोलह घंटे क्यों लग गये? ऐसे लोगों को समझना होगा कि महाकुंभ मेले में आ रहे श्रद्धालुओं की गिनती के लिए एआई कैमरों सहित तमाम तरह की तकनीक की मदद ली जा रही है और भगदड़ में मारे गये लोगों की संख्या बताने में समय इसलिए लगा होगा क्योंकि मौत का आंकड़ा किसी की मृत्यु के बाद ही बताया जाता है। यदि आपने घटना के बाद के वीडियो देखें हों तो उसमें साफ प्रदर्शित हो रहा है कि घायल अवस्था में कई लोगों को एम्बुलेंसे ग्रीन कॉरिडोर बनाकर तेजी से अस्पताल ले जा रही हैं। यूपी सरकार सुबह से ही कह रही थी कि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हो सकता है कि किसी की इलाज के दौरान मृत्यु हुई हो या किसी की अस्पताल लाये जाने के दौरान ही मृत्यु हो गयी हो। यह भी सर्वविदित है कि जब तक डॉक्टर किसी को मृत घोषित नहीं कर देते और उसकी पहचान तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी नहीं हो जातीं तब तक आंकड़े सामने नहीं आते। यहां यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एक हादसा जो हो चुका था उसके बारे में उस समय ज्यादा जानकारी देने से यदि हालात बिगड़ जाते तो और भी हादसे हो सकते थे क्योंकि करोड़ों की संख्या में लोग एक जगह पर मौजूद थे। 30 श्रद्धालुओं की मौत होना हृदय विदारक है और मृतकों के परिजनों की दशा समझी जा सकती है लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि अब तक 30 करोड़ लोग सकुशल स्नान करके जा चुके हैं। देखा जाये तो कुंभ मेले की बड़ी तस्वीर भगदड़ की एक घटना की नहीं बल्कि यहां करोड़ों की संख्या में उत्साह के साथ स्नान कर बिना किसी नुकसान के जा चुके श्रद्धालुओं की है। यहां हमें यह भी समझना होगा कि भगदड़ या भूकंप या दुर्घटनाओं या हत्याओं से होने वाली मौतों पर प्रतिक्रिया करते समय या उससे संबंधित समाचार दिखाते समय हमें संयम बरतना चाहिए। बहरहाल, निश्चित रूप से कुंभ भगदड़ बड़ी खबर है। लेकिन भारत जैसे भीड़भाड़ वाले देश में भगदड़ से होने वाली मौतें विभिन्न बीमारियों और कारणों से होने वाली कुल मौतों का केवल एक अंश मात्र हैं। अल्जाइमर दुनिया भर में मौत का सातवां प्रमुख कारण है। लेकिन इस बीमारी से होने वाली मौतें कभी भी पेज–1 की खबर नहीं बनती ना ही कोई मीडिया चौनल इस पर प्राइम टाइम में या अन्य समय पर खबर दिखाता है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं और तमाम तरह की बीमारियों से होने वाली मौतों की संख्या बढ़ती जा रही है लेकिन वह कभी बड़ी खबर इसलिए नहीं बनती क्योंकि इसमें किसी को राजनीति करने का मौका नहीं मिलता।

आयकर स्लैब की दृष्टि से सरकार के इस बजट की सराहना कर सकते है - धर्मेंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर आज केंद्र सरकार के वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन द्वारा केंद्रीय आम बजट 2025 लोकसभा मेंध प्रस्तुत किया गया। बजट में अभी तक जो समझ में आया है उसमें मध्यम वर्ग, विभिन्न राज्यों में होनेवाले चुनाव, मैन्युफैक्चरिंग, आईआईटी क्षेत्र, मेडिकल कॉलेज के सीटों में वृद्धि, महिलाओं,किसानों को लुभाने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से लोन की सीमा 5 लाख तक बढ़ाने के साथ–साथ हम शिक्षक कर्मचारियों और अधिकारियों को बजट को लेकर जो सबसे बड़ी उत्सुकता और आशा होती है कि सरकार की नजरे इनायत हम पर कितनी है?हमें सालाना इनकम में कितनी रियायत मिल रही है और उसी को ध्यान में रखकर बजट की घोषणाओं पर चर्चा करते हैं। वैसे तो 9 से 10 करोड़ आयकर दाता आईटीआर दाखिल करते हैं परंतु वास्तविक रूप में 4 से 5 करोड़ लोग ही आयकर अदा करने के दायरे में आते हैं। उनके लिए बजट में 0 से 4लाख तक कोई टैक्स नही, 4 से 8 लाख तक 5:, और 8 से 12 लाख तक 10:,12 से 16 लाख तक 15: 16 से 20 लाख तक 20:,20 से 24 लाख तक 25:, और 25 से अधिक 30: के दायरे रखा गया है। प्रांतीय अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने बताया कि पूर्व की टैक्स स्लैब में 3 लाख तक छूट हुआ करती थी जो अब एक लाख बढ़ा कर चार लाख कर दिया गया है। वैसे तो वर्तमान सरकार शिक्षक कर्मचारियों की सदैव विरोधी रही है क्योंकि लाखों शिक्षक, कर्मचारियों के भविष्य से जुड़ी बुढ़ापे की लाठी रुपी पुरानी पेंशन लगातार संघर्ष के बावजूद भी बहाल नहीं कर रही है,पहले जबरन एनपीएस (नेशनल पेंशन स्कीम) थोप दी और अब उससे भी ज्यादा खतरनाक यूपीएस (एकीकृत पेंशन योजना) का गजट जारी कर दिया। एक में शिक्षकों के भविष्य को शेयर मार्केट के हवाले कर दिया गया है और दूसरे में इतनी शर्तें लाद दी गई हैं जिसके बोझ तले शिक्षक कर्मचारियों का बुढ़ापा स्वतरू ही खत्म हो जाएगा। ऐसी अनियमित एवं अलाभकारी और बुढ़ापे के लिए हानिकारक दोनों योजनाओं का माध्यमिक शिक्षक संघ (नवीन)पुरजोर विरोध करता है।

परन्तु बजट में आयकर स्लैब की सबसे अच्छी बात जो है जिसके लिए वित्त मंत्री महोदया यानी केंद्र सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगा कि जिनकी वार्षिक आय 12 लाख 75 हजार तक है उन्हें कोई टैक्स नहीं देना होगा परंतु जैसे ही उसकी वार्षिक आय इससे अधिक हुई तो टैक्स स्लैब के दायरे में आ जाएगा। इसलिए आयकर स्लैब की दृष्टि से सरकार के इस बजट की सराहना कर सकते हैं।भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा अब तक के प्रस्तुत बजटों से कहीं बेहतरीन रहा है।टैक्स स्लैब में नया स्तर 25% का जुड़ने पर लाखों लोगों को फायदा होगा क्योंकि पहले 30 प्रतिशत के अंतर्गत आते थे।

दीपक कुमार दे ने भारतीय स्टेट बैंक, लखनऊ मंडल के मुख्य महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दीपक कुमार दे ने भारतीय स्टेट बैंक, लखनऊ मंडल के मुख्य महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया है। श्री दे ने 1995 में भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपने बैंकिंग कैरियर की शुरुआत की। अपने 29 वर्षों के करियर में, उन्होंने विभिन्न विभागों में विभिन्न चुनौतीपूर्ण पदों पर बैंक की सेवा करके कई नए मानक स्थापित किए हैं। लखनऊ मंडल के मुख्य महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत होने से पहले, वह नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड (एनएसबीएल) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में तैनात थे। आज, हमारी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पहल के अंतर्गत , श्री दे ने सेंट मैरी पॉलीक्लिनिक, लखनऊ को गरीबों के इलाज के लिए चेक और क्रमशः खुर्रमनगर और जुगगौर में स्थित पीएचसी को उनके उन्नयन के लिए चेक सौंपे। डॉ. विनोद जोसेफ, एमडी, सेंट मैरी पॉलीक्लिनिक, लखनऊ, पीएचसी खुर्रमनगर के डॉ. आशुतोष और पीएचसी जुगगौर के डॉ. धीरेंद्र ने समर्थन के लिए भारतीय स्टेट बैंक का आभार व्यक्त किया। आगे, श्री दे ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता राज्य सरकार द्वारा परिकल्पित 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने के उद्देश्य से विभिन्न सरकार प्रायोजित योजनाओं को बैंक में लागू करना है। अन्य प्रमुख प्राथमिकताओं मे उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करना, साइबर धोखाधड़ी के बारे में जनता को जागरूक करना और राज्य में भारतीय स्टेट बैंक के सीडी अनुपात को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना है। इस अवसर पर महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी सदस्य भी उपस्थित थे।

प्रथम श्रीमती प्रतिमा सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्रीमती प्रतिमा सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले संस्करण के सेमीफाइनल मुकाबले आज लखनऊ के कैरियर क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए, जहां दर्शकों को रोमांचक क्रिकेट का अनुभव मिला। पहले सेमीफाइनल में सुपरनोवा और बीडब्ल्यूए की टीमें आमने–सामने थीं, जहां सुपरनोवा की कप्तान जसमीत ने टॉस जीतकर बीडब्ल्यूए को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। बीडब्ल्यूए ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 144 रन बनाए, जिसमें अभिषेक सैनी ने 32, रोहित कांत ने 29, तन्मय खुराना ने 18, उमर अख्तर ने 12 और अभिषेक पांडे ने 11 गेंदों में 28 रन की तेजतर्रार पारी खेली। जवाब में सुपरनोवा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19वें ओवर में ही 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अविनाश सिंह और मोहम्मद शरीफ ने 31–31 रन बनाए, जबकि अरुण सिंह ने 34 रन की उपयोगी पारी खेली। इस मैच में हर्षित तिवारी को उनके शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया, जबकि अरुण सिंह को बेस्ट बैटर और रोहित कांत को बेस्ट बॉलर का अवार्ड दिया गया। दूसरे सेमीफाइनल में सीआईडी और कैरियर लायंस की भिड़ंत हुई, जहां सीआईडी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। कैरियर लायंस ने 20 ओवर में 185 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें अजीम रहमान ने 37 और मोहन यादव ने 58 रन की शानदार पारियां खेलीं। सीआईडी के सुशांत मलिक ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 35 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। 185 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीआईडी ने मोहम्मद आजम और शाहिद खान की दमदार शुरुआत के बाद शैलेंद्र सिंह और कप्तान स्वामी की पारियों के दम पर इस रोमांचक मुकाबले को अंतिम गेंद तक खींच दिया। कप्तान स्वामी ने 36 गेंदों में 50 रन की बेहतरीन पारी खेली और अंतिम गेंद पर चौका लगाकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया। इस मैच में सुशांत मलिक को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जबकि मोहन यादव को बेस्ट बैटर और अजीम रहमान को बेस्ट बॉलर का पुरस्कार दिया गया। टूर्नामेंट के आयोजक चंदन सिंह ने जानकारी दी कि फाइनल मुकाबला 2 फरवरी को दोपहर 12रू30 बजे जयपुरिया क्रिकेट ग्राउंड, लखनऊ में खेला जाएगा। सभी क्रिकेट प्रेमियों से इस रोमांचक मुकाबले का गवाह बनने की अपील की गई है।

आई जी आर एस के निस्तारण में चल रहा फर्जीवाड़ा

सुल्तानपुर। जिले की धम्मौर पुलिस की अजब–गजब मनमानी कार्यशैली उजागर हुई है। पीड़ित फरियादी की शिकायत पर ऐसी रिपोर्ट लगा दी कि हर कोई जानकार हैरान हो जा रहा है। हिन्दू युवक की शिकायत को मुस्लिम पक्ष का वैवाहिक विवाद दर्शाते हुए फर्जी आख्या रिपोर्ट लगा कर निस्तारित कर दिया। मामला उजागर हुआ तो विवेचक दरोगा स्वंय रिपोर्ट को फर्जी स्वीकार कर रहे हैं। अब दरोगा के खिलाफ कार्यवाही और न्याय के लिए पीड़ित भटक रहा है।

क्या थीं शिकायत

प्रकरण यूँ है। धम्मौर थाना क्षेत्र अंतर्गत लौहर पश्चिम निवासी अनिल यादव ने पुलिस अधीक्षक को आईजीआरएस पोर्टल पर ऑनलाइन प्रार्थना पत्र दिया। बताया कि, वह ग्राम पंचायत में घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर बनवाये जा रहे कूड़ा घर की शिकायत उच्चाधिकारियों से की थी।

इसी रंजिश में दवाब बनाने के लिए ग्राम प्रधान रीता देवी के पति ने फर्जी मुकदमा दर्ज करवा दिया। पीड़ित ने पूरे मामले की निष्पक्ष जाँच करा कर कार्रवाई की मांग की थी। प्रकरण की जाँच तत्कालीन एसपी ने धम्मौर पुलिस को सौंपी। थाने के उपनिरीक्षक श्रवण कुमार ने बगैर जांच पड़ताल किए फर्जी आख्या रिपोर्ट लगा कर शिकायत को निस्तारित कर दिया। पीड़ित ने जब रिपोर्ट देखी तो चौंक गया।

निस्तारण में लगाई गई आख्या रिपोर्ट

विवेचक श्रवण कुमार ने लम्भुआ थाना क्षेत्र के एक मुस्लिम परिवार के वैवाहिक विवाद की आख्या लगाते हुए पीड़ित के प्रार्थना पत्र का निस्तारित कर दिया। आख्या रिपोर्ट में लिखा हैं कि मौके पर जाकर देखा गया कि आवेदक मिन्हाज पुत्र इदरीश निवासी लम्भुआ व विपक्षी टीडी पुत्र अनवर के बीच पारिवारिक विवाद पाया गया। आवेदक मिन्हाज के भाई सोनू की शादी विपक्षी की लड़की से चार साल पूर्व हुई थीं। दोनों परिवारों में आए दिन विवाद हुआ करता हैं। अब दोनों पक्षो को समझा दिया गया है३आख्या प्रेषित कर शिकायत का निस्तारण कर दिया।

रोडवेज बस और ट्रक की टक्कर के बाद लगी आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के रामपुर सोईरी गांव के पास नेशनल हाईवे पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। जौनपुर से वाराणसी की ओर जा रहे एक ट्रक और रोडवेज बस की टक्कर हो गई, जिसके बाद ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे हाईवे पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हलांकि इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक चालक बस से पास लेने के प्रयास में था, तभी ट्रक अनियंत्रित होकर पीछे से बस में जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक में आग लग गई। हालांकि, आग कैसे लगी या किसी ने जानबूझकर लगाई, यह बात स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। इस दुर्घटना के कारण हाईवे पर कुछ देर तक यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में नियंत्रित कर लिया गया।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल ने संतोष अग्रहरि को प्रदेश कोषाध्यक्ष चुना

जौनपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल के निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष अग्रहरि को प्रदेश कोषाध्यक्ष चुना गया। यह चयन प्रदेश अध्यक्ष मुकुन्द मिश्रा ने प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र गुप्ता, डा. दिलीप सेठ एवं प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामतीर्थ सिंघल सदस्य विधान परिषद के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान किया। बता दें कि संतोष अग्रहरि जी निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष हैं जो पूर्व में प्रदेश संगठन मंत्री का दायित्व भी सम्भाल चुके हैं। इसके अलावा वाराणसी मण्डल अध्यक्ष रहने के अलावा लगातार 15 वर्षों तक जौनपुर युवा टीम के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। वहीं यह जानकारी होने पर जिलाध्यक्ष दिनेश टण्डन, प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी, प्रदेश मंत्री महेन्द्र सोनकर, जिला महामंत्री रामकुमार साहू, जिला कोषाध्यक्ष बनवारी लाल गुप्ता, जिला संरक्षक राजदेव यादव, अशोक बैंकर, छब्बू लाल सोनकर सहित तमाम जिला एवं प्रदेशस्तरीय पदाधिकारियों ने संतोष अग्रहरि को बधाई दिया।

पूर्व मंत्री व महानगर अध्यक्ष ने सहनवा पीड़िता के घर जाकर जताया शोक

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शनिवार को पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन व अयोध्या महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने सहनवां गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की व दोषियों पर कार्यवाही की मांग की।पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन व महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने सहनवां गांव (सरदार पटेल वॉर्ड) पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की व दोषियों पर कार्यवाही की मांग की। पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा कि दलित परिवार की बेटी 3 दिन से गायब थी परिवार के लोग प्रशासन के चक्कर लगाते रहे लेकिन प्रशासन ने कोई मदद नहीं की। आज बिटिया के दोनों हाथ पैर बधी अवस्था में शव मिला है।जब प्रशासन को परिवार ने 3 दिन पहले सूचना परिवार द्वारा दी गयी थी तो अगर प्रशासन ने ईमानदारी से अपना कार्य किया होता तो शायद बिटिया के साथ ऐसी घटना न होती और बिटिया जीवित रहती,हम प्रशासन से मांग करते है कि जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी कर कड़ी कार्यवाही करे तथा परिवार को 1 करोड़ रुपए मुआवजा दे। महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि ये बहुत ही दुखद घटना है।आज भाजपा सरकार में इस तरह की घटनाएं आम हो गई हैं अपराधी निडर होकर इस तरह के कामों को अंजाम देते हैं,हम उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करते है कि जो भी पुलिसकर्मियों ने इस मामले में लापरवाही बरते हैं और दोषी हैं।उनके खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए,परिवार को जल्द से जल्द न्याय दिया जाए।महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव हामिद जाफर मीसम, उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव, वीरेंद्र गौतम, जिला उपाध्यक्ष अरौनी पासवान, राम बदल, अंसार अहमद बब्बन, सोनू यादव पार्षद प्रतिनिधि, सिकंदर चौधरी, जगन्नाथ यादव इत्यादि लोग मौजूद थे।

प्रयागराज महाकुंभ में आए भक्तों को अनवरत प्रसाद बांट रहा विश्व सनातन कल्याण महासंघ

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। प्रयागराज महाकुंभ के सेक्टर नंबर 5 खाक चौक पुल नंबर 16 के बगल में हरिशचंद्र मार्ग सरस्वती चौराहा पर विश्व सनातन कल्याण संघ द्वारा अनवरत चलाए जा रहे भव्य भंडारे के 20 वें दिन भी बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। अजय दादा अयोध्या वासी एंड टीम ने बताया कि 20 दिन पहले प्रयागराज महाकुंभ में आ रही श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए विश्व सनातन कल्याण महासंघ ने भव्य भण्डारे का आयोजन शुरू किया था और 20 दिन से अनवरत यह अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि भक्तजन दूर दूर से भूखे प्यासे आ रही है और हमारा छोटा सा प्रयास है कि थके मांदे भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि महाशिवरात्रि पर्व तक इस भव्य भण्डारे को बराबर चलाया जाए।

राजस्व से सम्बंधित शिकायतों का संवेदन शीलता के साथ निस्तारण कराया जाये - डी0 एम0

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) शनिवार को संडीला में आयोजित तहसील समाधान दिवस में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने आमजन की समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व से सम्बंधित शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ निस्तारण कराया जाये। भूमि पर अवैध कब्जो को तत्काल हटाया जाये। अंश निर्धारण के प्रकरणों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। किसी काश्तकार की भूमि से अवैध कब्जा हटाने के लिए राजस्व विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करे। नक्शा दुरुस्तीकरण के मामलों को अनावश्यक न लटकाया जाये। नाली, सड़क व चकरोड से सम्बंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। खलिहान की भूमि पर अतिक्रमण न होने दिया जाये। एक मामले में जिलाधिकारी ने बीडीओ संडीला को सराय मारुफ गाँव में तत्काल कचरा हटवाने के निर्देश दिए तथा जिला विकास अधिकारी को पूर्व में दिए गए प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई न होने को लेकर बीडीओ संडीला को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। संडीला नगर पालिका में साफ सफाई की शिकायत आने पर उन्होंने अधिशाषी अधिकारी को कड़ी फटकार लगायी तथा तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कचरा संग्रह केन्द्र बनवाया जाये ताकि कचरा खुले में न फैले। अधिशाषी अधिकारी बेनीगंज को राजस्व टीम के साथ जाकर तालाब की पैमाइश कराने के निर्देश दिए। अतरौली थाना क्षेत्र के किरला गाँव में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध निर्माण को लेकर उन्होंने कानून गो, लेखपाल व थाना प्रभारी को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल निर्माण को ध्वस्त करने के निर्देश दिए। मनरेगा मजदूरी न मिलने के एक मामले में बीडीओ भरावन को निर्देश दिया कि व्यक्ति का बकाया भुगतान जल्द कराया जाये। वृद्धावस्था पेंशन के मामलों में उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को जाँच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जाति प्रमाण पत्र के आवेदनों पर रिपोर्ट न लगाने वाले लेखपालों का उन्होंने वेतन काटने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा कि समाज के कमजोर लोगों को न्याय दिलाने के लिए त्वरित कार्रवाई की जाये। जिलाधिकारी ने तहसील की नव निर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनायें देते हुए कहा कि नये कार्यकारिणी जनहित में राजस्व वादों के निस्तारण में रचनात्मक सहयोग करे। जिलाधिकारी ने भी प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहतास कुमार, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, पीडी पीपी त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी संडीला अरुणिमा श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी नरायण सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र सिंह व अन्य जिलास्तरीय अधिकारी, बीडीओ, ईओ, सीडीपीओ उपस्थित रहे।

यह आम आदमी, गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति का बजट है – पुष्पराज सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोदी सरकार द्वारा पेश किये गये बजट पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि मोदी सरकार द्वारा पेश किया गया बजट विकसित भारत के सपने को साकार करने में सहायक बनेगा। उन्होंने कहा कि यह आम आदमी का बजट है। यह गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति का बजट है। यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक पहुंचने में सहायक साबित होगा। मोदी सरकार द्वारा लाया गया ये बजट, एक दूरदर्शी बजट है। जो विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार साबित होगा। आत्मनिर्भर भारत का यह बजट स्वतंत्रता के 100वें वर्ष के नए भारत की नींव बनेगा। इस बजट में देश के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने में सहायक सिद्ध होगा। यह बजट गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगा उन्होंने आगे कहा कि आज भारत के विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। ये 140 करोड़ भारतीयों के आकांक्षाओं का बजट है, ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। हमने कई सेक्टर युवाओं के लिए खोल दिए हैं। ये विकसित भारत के मिशन को ड्राइव करने वाला है, ये बजट बल गुणक है। ये बजट बचत को बढ़ाएगा, निवेश को बढ़ाएगा और ग्रोथ को भी तेजी से बढ़ाएगा। मैं वित्त मंत्री को इसके लिए बधाई देता हूं। आमतौर पर बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा, लेकिन ये बजट उससे बिलकुल उल्टा है। ये बजट, देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगा, देश के नागरिकों की बचत कैसे बढ़ेगी और देश के नागरिक विकास के भागीदार कैसे बनेंगे? ये बजट इसकी एक बहुत मजबूत नींव रखता है। उन्होंने कहा कि आज देश श्विकास भी, विरासत भीश के मंत्र को लेकर चल रहा है। इस बजट में इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं। इस बजट में एक करोड़ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए श्ज्ञान भारत मिशनश को शुरू किया गया है। बजट में रिफॉर्म की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। इस बजट में रिफॉर्म की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। न्यूक्लियर एनर्जी में प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा देने का निर्णय बहुत ही ऐतिहासिक है। बजट में रोजगार के सभी क्षेत्रों को हर प्रकार से प्राथमिकता दी गई है। पिछले 10 वर्षों में, मोदी सरकार के विकास ट्रैक रिकॉर्ड और संरचनात्मक सुधारों ने महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। इस सरकार के पहले दो कार्यकालों के दौरान किए गए परिवर्तनकारी कार्य एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, जिससे यह सरकार दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने में सक्षम हुई है। इसी क्रम में भाजपा जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने बजट की सराहना करते हुये कहा कि वित्त मंत्री ने गरीबों, मध्यम वर्गीय के लिए शानदार बजट पेश किया है। कृषि क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र जैसे कई क्षेत्रों को कवर किया है, इस शानदार बजट पेश करने के लिए मैं पीएम मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी को साधुवाद देना चाहता हूं और मै इस बजट का स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने हमेशा राष्ट्र निर्माण में मध्यम वर्ग की सराहनीय ऊर्जा और क्षमता पर विश्वास किया है। उनके योगदान को मान्यता देते हुए, सरकार ने समय–समय पर उनके कर के बोझ को कम किया है।

जिला चिकित्सालयों में कैंसर मरीजों हेतु डे केयर बनाए जाने की घोषणा अत्यंत महत्वाकांक्षी और जनहितकारी योजना बनेगी – सुनील यादव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट कर्मचारी हित के मामले में खट्टा – मीठा रहा है । पुरानी पेंशन की घोषणा नहीं की गई, कर्मचारियो को 50:महंगाई भत्ते को मूल वेतन में विलय की घोषणा का इंतजार था, जो पूरा नहीं हुआ। आज केंद्रीय बजट पर प्राथमिक प्रतिक्रिया देते हुए फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव, 12 लाख तक की आय करमुक्त किया जाना स्वागत योग्य है जो मध्यम वर्ग के नागरिकों और छोटे कार्मिकों के लिए लाभकारी होगा । 36 और कैंसर मेडिसिन को कस्टम ड्यूटी से मुक्त किया गया है जो पीड़ित मानवता को राहत देगी। श्री यादव ने कहा कि ळप्ळ (जिज) श्रमिकों अर्थात संविदा प्रथा और ठेकेदारी प्रथा को समाप्त करने के स्थान पर बढ़ावा दिया जा रहा है, स्थाई रोजगार सृजन ना होने से तकनीकी और उच्च योग्यता धारक लोगों को अल्प वेतन और भविष्य की असुरक्षा के बीच कार्य करना पड़ रहा है। सभी के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा का अधिकार भी लागू किया जाना चाहिए। ये पूरा देश मानता है कि आपदा काल में देश का सरकारी कर्मी और फार्मा उद्योग ने बड़ी जनहानि को रोका था, देश का नाम विश्व पटल पर स्वर्णाक्षरों में लिखा गया, लेकिन बजट में एक बार भी सरकारी कर्मियों के बारे में कुछ भी नहीं कहा गया। कर्मचारी सरकार की नीतियों का पालन करता है और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है, लेकिन कर्मचारियों को हमेशा ही सौतेलेपन का शिकार होना पड़ता है अधिकांश सरकारी कर्मी इस देश के मध्यम वर्ग का नागरिक है जो देश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार है। सरकारी कर्मचारी सबसे ज्यादा इनकम टैक्स देने वाला होता है और सबसे ईमानदारी के साथ आयकर का भुगतान करता है इसलिए हमेशा यह आशा रहती है कि सरकार अपने बजट में सरकारी कर्मचारियों के लिए भी कुछ ना कुछ राहत देगी और उनके विकास के लिए कुछ ना कुछ योजना लेकर आएगी। देश में फार्मेसी क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, तकनीकी रूप से श्रेष्ठ मानव संसाधन श फार्मेसिस्टश उपलब्धा हैं । देश में ड्रग रिसर्च, निर्माण, औषधि व्यापार, चिकित्सालयों में फार्मेसिस्ट की अनिवार्यता के साथ चिकित्सालयों में फार्माकोविजिलेंस की घोषणा आवश्यक थी। देश में लगभग 38 लाख योग्य फार्मा तकनीकी योग्यता धारक है, आखिर इनकी तकनीकी क्षमता का उपयोग कहां होगा यह विचारणीय है। बजट में स्थाई रोजगार की घोषणा नहीं है, कर्मचारी कल्याण की घोषणा नहीं हुई है अतः यह बजट कर्मचारी हितों के प्रतिकूल हुआ, वहीं आयकर स्लैब के बदलाव से थोड़ी राहत जरूर मिलेगी।

डीएम व पुलिस कमिश्नर की शख्त हिदायत, अतिरिक्त रुपये लेने और लाइफ जैकेट नहीं पहनाने पर होगी कार्रवाई

वाराणसी, (संवाददाता)। डीएम एस राजलिंगम और अपर पुलिस कमिश्नर डॉ. एस चनप्पा ने बृहस्पतिवार को गोदौलिया चौराहा, मंदिर कॉरिडोर, रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। दर्शन के लिए लाइन में खड़े भक्तों से दोनों अफसरों ने बातचीत की। गिरजाघर चौराहे के पास सामान बेच रहे रेहड़ी पटरी और ठेला लगाने वालों को चेतावनी दी कि अगर फिर से कोई भी दुकान लगाई तो कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने दशाश्वमेध घाट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नाव में बैठने वाले लोगों से कहा कि अगर कोई भी नाव चालक अतिरिक्त किराया वसूलता है या बिना लाइफ जैकेट के यात्रियों को बैठाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से कहा कि इसके संबंध में पास की पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराने को कहा। इसके बाद दशाश्वमेध घाट से एनडीआरएफ की मोटर से ललिता घाट पहुंचे और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान स्टेशन डायरेक्टर अर्पित गुप्ता ने ट्रेनों के संचालन, ठहराव और यात्रियों की सुविधाओं के संबंध में जानकारी दी। डायरेक्टर ने स्टेशन के बाहर पार्किंग में खड़ी गाड़ियों को हटवाने का अनुरोध किया जिस पर डीएम ने यातायात पुलिस को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महाकुंभ से काशी आने वाले श्रद्धालुओं से किराये को लेकर ऑटो और ई–रिक्शा चालकों की मनमानी जारी है। रथयात्रा चौराहा से डाफी और नारायणपुर चौराहा तक छोड़ने के। लिए ई–रिक्शा और ऑटो चालक 800 से 1000 रुपये वसूल रहे। हैं। पुलिस–प्रशासन के स्तर से गंभीरता से ध्यान न दिए जाने के कारण प्रदेश और देश के अलग–अलग हिस्सों से आए श्रद्धालु अधिक किराया देने को मजबूर हैं। बृहस्पतिवार को लंका या दुर्गाकुंड से रथयात्रा छोड़ने के लिए श्रद्धालुओं से ऑटो और ई–रिक्शा चालकों ने 300 से 400 रुपये तक किराया लिया।

पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने गठबंधन के प्रत्याशी अजीत प्रसाद को जीताने के लिए किया सघन दौरा

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शनिवार को पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजीत प्रसाद को जीताने के लिए मिल्कीपुर क्षेत्र के कलंदरपुर, जयराजपुर वशिष्ठ पांडे का पुरवा, भवन नगर, भीम तिवारी का पुरवा सरूरपुर पूरे रघुवर पांडे आदि क्षेत्र में सघन जनसंपर्क करते हुए गठबंधन के प्रत्याशी अजीत प्रसाद को जीतने के लिए मिल्कीपुर की देवतुल जनता से अपील की इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा कि जिन जिन क्षेत्रों में दौरा किया गया वहां की जनता के उत्साह को देखते हुए लग रहा है भाजपा की जमानत को जप्त करते हुए अजीत प्रसाद को भारी बहुमत से जिताएगी।क्योंकि आज जनता भाजपा के झूठे वादों से त्रस्त आ चुकी है महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर प्रहलाद रावत, अरावनी पासवान, विद्याभूषण पासी ज्ञानेंद्र शुक्ला, कार्तिक तिवारी सोहनलाल रावत, पंकज शर्मा पंकज पांडे, मोनू पांडे, सुमेरपाल यादव, अपर्णा जयसवाल, पंकज पांडे नमो शंकर पांडे, राजेश पांडे संजय पांडे, ललित शंकर पांडे शिवाकांत पांडे, रुद्राक्ष पांडे, कमला शंकर पांडे, अनिल पांडे आदि लोग उपस्थित रहे।

इसौली विधानसभा के विधायक निधि से लगे हाई मार्क्स लाइट चोरी का प्रयास

सुल्तानपुर। स्थानीय थाना कुड़वार के अंतर्गत सरैया पूरे विसेन में हाई मार्क लाइट चोरी का प्रकरण निकलकर सामने आ रहा है आपको बताते चले की कुछ माहपूर्व थाना बल्दीराज क्षेत्र के अंतर्गत बघौना बाजार के निकट हाई मार्क्स लाइट चोर द्वारा चोरी कर लिया गया था आज एक बार फिर विधायक निधि से लगी हाई मार्क्स लाइट चोरी की फिराक में चोरों द्वारा घटना को अंजाम देने की नीयत से आये थे ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि सरैया पूरे विसेन चौराहे पर लगी हाई मार्क्स लाइट के नट बोल्ट को लगभग रात्रि 10रू30 के आसपास खोला गया था और खंभे सहित जब लाइट की गिरने की आवाज पड़ोस के घर वालों को हुई तो आनं फानन में वह लोग बाहर आकर के देखने लगे तो लाइट को चोर अपने कंधे की मदद से ले जा रहे थे तभी ग्रामीण अंकित कुमार पाठक शिव बहादुर यादव विपिन कुमार यादव रमाशंकर शुक्ल पी के अवधी कॉमेडी प्रमोद कुमार दुबे उन सभी चोरों को अंधेरे में ही दौड़ाने लगे तो चोरों का हौसला पस्त होने लगा और चोर द्वारा ले जा रहे हाई मार्क्स लाइट को छोड़कर भाग निकले हाई मार्क्स की लाइट जिसमें 8 से 10 बड़ी–बड़ी प्लेट लगी हुई थी दो प्लेट क्षतिग्रस्त

हो गई है इसकी सूचना तब ग्रामीणों ने सरैया पूरे बिसेन प्रधान प्रतिनिधि मनोज कुमार तिवारी को दिया और घटनास्थल पर प्रधान भी आकर मौजूद हुए प्रधान प्रतिनिधि मनोज कुमार तिवारी फोन के माध्यम से एवं लिखित तहरीर के माध्यम से थाना कुड़वार को जानकारी दि एवं प्रधान जी ने अपने ग्राम सभा की ग्रामीणों की भूरि भूरि प्रशंसा कर रहे हैं उनके बहादुर की दांत दे रहे हैं।

वही इसौली विधानसभा के माननीय विधायक ताहिर खान को चोरी की घटना के संबंध में जानकारी अवगत कराई पत्रकार कादिर खान द्वारा इसौली विधानसभा के विधायक ताहिर खान जी से वार्तालाप की गई तो उन्होंने बताया कि घटना हमारी जानकारी में है चोर द्वारा लाइट चोरी करके ले जा रहे थे लेकिन ले जाने में असफल रहे ग्रामीणों की मदद से उन्हें दौड़ाया गया था तब जा कर लाइट छोड़कर के भागने लगे और लाइट को सही स्थान पर रखा दिया गया है प्रधान द्वारा लिखित तहरीर थाना कुड़वार में दी गई है दोषी व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई थाना प्रशासन द्वारा की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ जनपद सुल्तानपुर कुड़वार थाना पुलिस प्रभारी महोदय श्री चंद्रभान वर्मा द्वारा बताया गया कि सरैया पूरे बिसेन प्रधान प्रतिनिधि मनोज कुमार तिवारी लिखित तहरीर दे करके जानकारी दी गई है और हमारी मित्र पुलिस की टीम गठन की गई है जल्द ही लगी विधायक निधि से हाई मार्क्स लाइट की चोरी की घटना को अंजाम देने के लिए आए हुए थे उन सभी का खुलासा किया जाएगा एवं सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी

गंगा में बड़ी नाव की टक्कर से पलटी छोटी नाव

वाराणसी, (संवाददाता)। दशाश्वमेध घाट के पास स्थित मानमंदिर घाट के सामने शुक्रवार को एक बड़ी नाव से टक्कर के बाद छोटी नाव पलट गई। जिससे छोटी नाव डूबने लगी। इस दौरान मौके पर अफरा–तफरी मच गई। नाव में सवार लोग शोर मचाने लगे। इस बीच नाव पलटने की सूचना पर आनन–फानन जल पुलिस के साथ ही एनडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंचे और सभी यात्रियों को रेस्क्यू किया। नाव में सवार सभी लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. एस चनप्पा के अनुसार बड़ी नाव में 58 लोग सवार थे। छोटी नाव में छह लोग थे। बड़ी नाव की टक्कर से छोटी नाव पलट गई। उसमें सवार छह लोगों को 11 एनडी आरएफ, पीएसी बाढ़ राहत

महाकुंभ के पलट प्रवाह का असर... काशी में भीड़ इतनी कि झाड़ू लगाने की भी जगह नहीं

वाराणसी, (संवाददाता)। महाकुंभ के पलट प्रवाह की भीड़ से गंगा घाटों और आसपास की गलियों में सफाई के सारे इंतजाम ध्वस्त हो गए हैं। गंगा घाटों पर गंदगी का अंबार लगा है। शौचालय से लेकर चेंजिंग रूम काफी गंदे हैं। कई घाटों पर यूरिनल और शौच के कारण बदबू है। पुराने अस्सी घाट, गंगा महल, रीवा घाट पर चेंजिंग रूम हैं लेकिन कई में दरवाजे नहीं हैं। घाटों पर शौचालय की व्यवस्था नहीं है। सिर्फ अस्सी घाट पर सामुदायिक शौचालय है। जहां यात्रियों का काफी दबाव है। पानी खत्म होने पर इसे बंद कर दिया जाता है। रामघाट पर लोग खुले में शौच कर रहे हैं। भीड़ के चलते सफाईकर्मी भी असहाय हो गए हैं। झाड़ू लगाने की जगह नहीं मिल रही है। भीड़ को देखते हुए नगर निगम ने हैंड पिकिंग का रास्ता निकाला है। सफाई के लिए रात का इंतजार किया जा रहा है। शीतला घाट पर गंदगी पसरी पड़ी है। अहिल्याबाई घाट और अस्सी घाट पर कूड़े का गट्ठर बनाकर रखा गया है। यही हाल अन्य घाटों का है। मुख्य घाटों के अलावा अन्य घाटों और गलियों में गंदगी की भरमार है। जिसे शाम तक नहीं हटाया गया। दशाश्वमेध घाट पर स्नान के बाद लोग माला फूल गंगा में डाल रहे हैं। इसी तरह अस्सी घाट के पास, रीवा घाट और केदार घाट के पास भी लोगों ने स्नान के बाद फूल माला गंगा में छोड़ दिया। कुछ घाटों पर खाने के पैकेट और कपड़े व अन्य गंदगी पड़ी थी।

चौरे बाजार व्यापारियों ने पेश की मानवता व एकता की मिशाल

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

महाकुंभ आने जाने वाले यात्रियों को संगम में स्नान करने के लिए कई समस्याओं का सामना करना पड रहा है महाकुंभ जाने के लिए कई घंटों तक जाम में फंसे होने के कारण भूंख प्यास ,ठंड का सामना करना पड रहा है और कई किलोमीटर पैदल भी चलना पड रहा है इन सभी कठिन समस्याओं को झेलते हुए संगम स्नान को लेकर सभी श्रद्धालु अडिग है तो वहीं अयोध्या जनपद के कुछ व्यापारी इस मजबूरी का फायदा उठाते हुए श्रद्धालुओं को ठगने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे है वहीं दूसरी तरफ चौरे बाजार में यात्रियों सेवा में भी कुछ व्यापारी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं चौरे बाजार में दो दिनों से लगातार 9 बजे रात से 1 बजे रात तक यात्रियों को रोककर मोहम्मद कैसर ,जायसवाल वेज प्वाइंट, रिशु ज्वैलर्स ,हिमांशु उर्फ नन्हू ,राहुल जायसवाल ,सौरभ सोनी ,हिमाशूं सिंह ,दानिश,समीर, अखिलेश जायसवाल ,शोभित सोनी ,अनन्तराम, सकील, राशिद, शाबान ,मानू ,अतुल आदि दर्जनों लोंग मिलकर चाय बिस्कुट दे रहें हैं जिससे यात्रीगण आशीर्वाद देकर हुए सराहनीय प्रशंसा भी कर रहे हैं।

वैकल्पिक पहचान पत्र का प्रयोग कर सकते हैं – मतदाता जिला निर्वाचन अधिकारी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मिल्कीपुर उप चुनाव में मतदान के दौरान जिन मतदाताओं के पास वोटर आईडी कार्ड नहीं होगा उनके लिए आयोग ने वैकल्पिक पहचान पत्र जारी किया है।इस संबंध मे जानकारी देते हुए बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने बताया कि फोटो पहचान पत्र के लिए आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकोंध्डाकघरों दसे निर्गत फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत निर्गत स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, आरजीआई से निर्गत स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों से अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार है। बशर्ते निर्वाचक का नाम, जहां वह मतदान करने आया है।

बस पर पथराव कर शीशे तोड़े, चालक से नकदी और मोबाइल छीन लिए 10 लोगों पर दर्ज कराया एफआइआर

वाराणसी। राजस्थान निवासी एक चालक ने मोहनसराय में थार, स्कॉर्पियो और बाइक सवार 10 लोगों पर प्राइवेट बस को रुकवा कर उस पर पथराव कर शीशे तोड़ने का आरोप लगाया। हमलावरों पर उसने पिटाई कर 7000 रुपये, मोबाइल और बस की चार्ट बुक छीनने की शिकायत पुलिस से की। घटना के संबंध में राजस्थान के जोधपुर जिले के बणला नगर निवासी बस चालक ओमा राम की तहरीर पर रोहनिया थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। ओमा राम ने बताया कि वह भईया ट्रेवल्स की बस चलाता है। वह अपनी बस वाराणसी से पुणे के लिए लेकर मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग से 100 कदम आगे पहुंचा था। उसी दौरान थार, स्कॉर्पियो और बाइक पर सवार 10 लोगों ने रुकवाई। सभी लोग आभा ट्रेवल्स के विकास दूबे के थे। बस रुकवाने के बाद उन लोगों ने बातचीत नहीं की और सीधे पथराव करने लगे। पथराव में बस के शीशे टूट गए। ओमा राम ने कहा कि उसने और कंडेक्टर ने पथराव करने वालों से बातचीत करने का प्रयास किया। इस पर पथराव करने वाले बस के अंदर घुस आए। सभी ने उसे और कंडेक्टर को मारपीट कर 7000 रुपये, मोबाइल और गाड़ी का चार्ट बुक छीन लिए। सभी ने उसे और कंडक्टर को धमकाया कि दोबारा बस लेकर आए तो फिर पीटे जाओगे। ओमा राम के अनुसार आभा ट्रेवल्स के लोग पहले भी दो बार उसके साथ ऐसा कर चुके हैं। इस संबंध में रोहनिया थानाध्यक्ष ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में अर्धनग्न अवस्था में युवती की लाश मिलने से क्षेत्र वासियो में हड़कंप

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।शनिवार को कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के सहनवा गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब क्षेत्र में एक अर्धनग्न युवती का शव एक नाली में मिला।वही युवती की लाश के बगल खून से सने हुए कुछ कपड़े भी दिखाई दे रहे थे।युवती के साथ दरिंदगी देख ग्रामीण वासियों ने आक्रोश जताते हुए इस हत्या के पीछे शामिल आरोपियों को पुलिस कठोर से कठोर कार्यवाही करने की मांग करने लगे।मृतका के साथ दुष्कर्म करने की भी आशंका जताई जा रही है।प्रथम दृष्ट्या यह मामला दुष्कर्म और हत्या का लग रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा ने बताया कि प्राथमिक जांच में पुलिस को घटनास्थल से खून से लथपथ महिला के कपड़े भी मिले। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल जाकर इन कपडो को एकत्र किए हैं। उन्होंने बता कि मृतका शुक्रवार की शाम से लापता थी। इस संबंध मे मृतका के पिता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया था।महिला मानसिक रूप से बीमार थी। बताया कि फिलहाल मामला पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्थिति स्पष्ट होगी। घटना की जांच की जा रही है। जो भी इस मामले में आरोपी पाया जाएगा पुलिस उसके विरुद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही करेगी।

रिजनल वर्कशॉप आन कन्जर्वेशन एंड वाइज ऑफ वेटलैण्डस का कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

अयोध्या। शनिवार को शहर के एक होटल रिजनल वर्कशाप ऑन कन्जर्वेशन एण्ड वाइज यूज ऑफ वेटलैण्डस कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रुप मे आये कीर्तिवर्धन सिंह राज्य मंत्री, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,भारत सरकार दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर उनके अलावा अनुराधा वैमुरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, रजत अग्रवाल, संयुक्त सचिव, पर्यावरण वन एंव जलवायु परिवर्तन विभाग, भारत सरकार तथा नीरज कुमार, सदस्य सचिव, राज्य आर्दभूमि प्राधिकरण,विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।साथ ही उक्त कार्यशाला में रामसर साइट के मैनेजर एवं विभिन्न राज्यों के उच्चाधिकारी के साथ–साथ विभिन्न संस्थाओं के कई अधिकारियों तथा प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। तत्पश्चात विभाग के अधिकारियों ने अतिथियों को रूद्राक्ष का पौध देते हुये उनका स्वागत किया गया। कार्यशाला के शुभारम्भ मे डा० एम०रमेश, वैज्ञानिक एफ, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यशाला में आये सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, कार्यशाला के उद्देश्य तथा उसके साथ 02.02.2025 को पार्वती अर्गा पक्षी विहार, गोण्डा में आयोजित होने वाले कार्यक्रमो से अवगत कराया गया।मुख्य अतिथि कीर्तवर्धन सिंह ने बताया कि देश में अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की 89 रामसर साइटस हो गयी है।वही 4 नए रामसर साइटस को जोड़ा गया है। पहले इसकी संख्या 85 थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आर्द्रभूमि के संरक्षण व संवर्धन की दिशा में अभूतपूर्व निर्णय लिए गए हैं तथा उसके क्रियान्वयन पर भी विशेष बल दिया जा रहा है।अडगा पक्षी विहार' को मिला है।इस कड़ी में अयोध्या में भी क्षेत्रीय उत्तर भारत के 9 राज्यों की वर्कशॉप का आयोजन हुआ है।02 फरवरी को विश्व वेटलैंड्स दिवस के उपलक्ष्य में पार्वती अरगा

पक्षी विहार में भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।वही संयुक्त सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,भारत सरकार द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण तथा उसके विवेकपूर्ण उपयोग के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।साथ ही उनके द्वारा आर्द्रभूमि में पायी जाने वाली विभिन्न वनस्पतियों तथा जीव जन्तुओं के सम्बन्ध में भी चर्चा की गयी।इसके पश्चात् मुख्य अतिथि ने पुस्तिका का विमोचन किया तथा वेटलैण्ड संरक्षण एवं तालाबों के नवजीवन हेतु सात कदम पोस्टर लांच किया गया। अनुराधा वैमुरी,प्रधान मुख्य वन संरक्षक,वन्य जीव, उ०प्र०, लखनऊ द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण एवं विकास के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी।इसके पश्चात् राज्य मंत्री, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वेटलैण्ड संरक्षण हेतु किए जा रहे उपायों पर चर्चा ही गई।कार्यक्रम मे स्थानीय समुदाय को स्थानीय भाषा में जागरूक करने पर जोर दिया गया तथा यह भी कहा गया कि अधिक से अधिक आर्द्रभूमि का संरक्षण एवं विकास किया जाये। अन्त में नीरज कुमार, सदस्य सचिव, राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण, द्वारा सभी अतिथिगण एवं कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए कार्यशाला सम्पन्न की गयी।इस मौके पर प्रभागीय वनधिकारी के अलावा वन विभाग के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

महाकुंभ से लौट रहे छह श्रद्धालुओं की मौत, सड़क पर बिखर गए शव के टुकड़े कई लोग घायल

वाराणसी, (संवाददाता)। गाजीपुर जिले में शुक्रवार को श्रद्धालुओं से भरे श्रद्धालुओं को डंपर ने जोरदार टक्कर मारी। हादसे में कई लोगों की मौत हो गई।जबकि कई घायल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा– तफरी मच गई। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हुआ। वाराणसी–गाजीपुर मार्ग पर उसमीकला मोड़ के पास डंपर ने श्रद्धालुओं से भरे पिकअप को टक्कर मार दी। सड़क हादसे में छह लोगों की मौत की सूचना है। जिसमें दो पुरुष व अन्य महिलाएं शामिल हैं। वहीं कई लोग घायल भी हुए हैं। पिकअप सवार श्रद्धालु महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे थे। सभी गोरखपुर

के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। मौके पर डीएम आर्यका अखौरी समेत कई अधिकारी पहुंचे हैं। हादसा इतना भीषण था कि शवों के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के टुकड़ों को इकट्ठा किया। घटनास्थल पर अफरा– तफरी का माहौल है। पुलिस लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटी रही है। वहीं मृतकों के शव को कब्जे में लिया गया है।

झूसी और रामबाग स्टेशन से चलाई गई 32 मेला स्पेशल, हर आधे घंटे पर एक ट्रेन

गोरखपुर। महाकुंभ में स्नान करने गए श्रद्धालुओं को सकुशल वापस लाने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से बृहस्पतिवार को झूसी एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों से 30 मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई गई। इसमें सबसे ज्यादा गोरखपुर के लिए नौ ट्रेनें शामिल हैं। महाप्रबंधक और रेल अधिकारी पूरी रात कंट्रोल रूम से निगरानी करते रहे। वहीं, रेलवे बोर्ड से भी पल–पल का फीडबैक लिया गया। शाम को जब ट्रेनों में भीड़ कम हुई तो अधिकारियों ने राहत की सांस ली। रेल प्रशासन के मुताबिक, झूसी एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों से गोरखपुर के लिए 9, भटनी के लिए 5, बलिया के लिए 4, छपरा एवं मऊ के लिए 03–03, बनारस, वाराणसी सिटी एवं गाजीपुर सिटी के लिए 02–02 समेत 06, औंड़िहार के लिए 01 और 01 रिंग रेल सहित कुल 32 ट्रेनें चलाई गई हैं। इसके अलावा चार नियमित ट्रेनें भी चलीं। सभी ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ थी। बृहस्पतिवार को ही करीब डेढ़ लाख यात्रियों को प्रयागराज से अलग–अलग स्थानों पर ट्रेनों से भेजा गया। रात नौ बजे तक गोरखपुर स्टेशन पर आठ ट्रेनें आ चुकी थीं।

अयोध्या में भीड़ को देखते हुए गोरखपुर में डायवर्जन लागू

गोरखपुर, (संवाददाता)। अयोध्या में भीड़ की वजह से गोरखपुर लखनऊ फोरलेन पर रूट डायवर्जन लागू हो गया है। बृहस्पतिवार को दिन में भारी वाहनों को बस्ती की ओर नहीं जाने दिया गया। हालांकि शाम के समय थोड़ी ढील दी गई। एसपी यातायात संजय कुमार ने बताया कि कुछ देर के लिए ही वाहनों को जाने की अनुमति दी गई थी। गोरखपुर से लखनऊ रूट पर भारी वाहनों के आने जाने पर बुधवार की सुबह आठ बजे से रोक लगा दी गई। देवरिया और कुशीनगर से आने वाले वाहनों को बाघागाड़ा से मोड़कर वाराणसी हाइवे पर भेजा गया। गोरखपुर शहर से सहजनवां की ओर जा रहे वाहनों को जीरो प्वाइंट कालेसर से जंगल कौड़िया बाईपास होते हुए डायवर्ट किया गया। छोटी गाड़ियों और रोडवेज की बसों को ही जाने की अनुमति है। यह व्यवस्था बृहस्पतिवार को दिनभर लागू रही। लेकिन शाम को छह बजे के बाद आंशिक राहत देते हुए करीब एक घंटे तक भारी वाहनों को लखनऊ मार्ग पर जाने दिया गया।

गगहा में हाईवे पर दो रोडवेज बसें टकराईं, 15 यात्री हुए घायल

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर के थाना गगहा क्षेत्र में मंगल बाजार मुख्य हाईवे पर दो रोडवेज बसों में टक्कर हो गई।

शाहपुर में पर्स छीनकर भागे बदमाश

गोरखपुर, (संवाददाता)। शाहपुर इलाके के जेल बाईपास स्थित ट्रैक्टर एजेंसी के पास बृहस्पतिवार शाम बाइक सवार बदमाश ई–रिक्शा में बैठी महिला का पर्स छीनकर भाग गए। छीना–झपटी में महिला भी गिरकर घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला का उपचार कराकर घर भेज दिया। पुलिस सीसीटीवी कैमरे से बाइक सवार बदमाशों की पहचान करने में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, कैंट इलाके के इंदिरा नगर की अन्नू मौर्या का मायका शाहपुर इलाके के मोहनापुर स्थित चुन्नीपुर में है। मायके में छह फरवरी को चचेरी बहन की शादी है।

कार्यकारी निदेशक विभा दत्ता ने ग्रहण किया कार्यभार

गोरखपुर, (संवाददाता)। एम्स की नई कार्यकारी निदेशक सेवानिवृत्त मेजर जनरल डॉ. विभा दत्ता ने बृहस्पतिवार को कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद सभी डॉक्टरों के साथ मीटिंग कर मरीजों को मिलने वाले इलाज एवं सुविधाओं का व्यवस्थाओं की जानकारी ली। चर्म रोग विभाग के कार्यक्रम में जाने के दौरान ओपीडी और इमरजेंसी वार्ड के मरीजों और तीमारदारों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भी जानकारी ली। एम्स की नई कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता के नाम की घोषणा तो चार दिन पहले ही हो गई थी, लेकिन वे 30 जनवरी को गोरखपुर पहुंचीं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।